संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 36
पृष्ठ 8
शुक्रवार
24 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बात-बात पर क्यों डर जाते हैं बच्चे...
विचार- कभी-कभी हार न मानना ही उपदेश...
खेल- कोहली ने दिए वनडे से संन्यास...

मुख्यमंत्री ने की अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा

फायर सर्विस के और सशक्तिकरण की आवश्यकता : सीएम

● एक्सप्रेस-वे पर हर 100 किमी पर हो छोटी फायर चौकी स्थापना

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक तथा जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए।मुख्यमंत्री गुरुवार को अग्निशमन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं तथा सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हों। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउंट कैडर स्थापित किया जाए। राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 तथा अराजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस–वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेंडर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके।बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि विभाग के पुनर्गठन की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी की जाए, ताकि इसका लाभ शीघ्र जनता तक पहुँच सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण किया, बोलीं-

उनका जीवन प्रेरणा का प्रतीक

● भारत के मूल्यों को ईमानदारी से निभाया- मुर्मू

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान गुरुवार को उन्होंने केरल राजभवन परिसर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा भारत के पहले दलित राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि स्वरूप स्थापित की गई है। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन मौजूद थे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि केआर नारायणन का जीवन साहस, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। उन्होंने शिक्षा की शक्ति के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचकर यह दिखाया कि अवसर और दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है। मुर्मू ने कहा कि राजनीति में आने से पहले नारायणन ने भारतीय विदेश सेवा में शानदार करियर बनाया और हमेशा भारत के मूल्यों शांति, न्याय और सहयोग को ईमानदारी से निभाया। राष्ट्रपति ने बताया कि नारायणन न सिर्फ भारत के राष्ट्रपति रहे, बल्कि उन्होंने उपराष्ट्रपति के रूप में भी देश की सेवा की। उन्होंने कहा कि नारायणन हमेशा केरल से जुड़े रहे और अपने राज्य की सामाजिक प्रगति, शिक्षा और समानता की भावना से प्रेरणा लेते रहे। उनके लिए शिक्षा सभी का अधिकार थी, न कि कुछ लोगों का विशेषाधिकार। मुर्मू ने इस दौरान यह भी कहा कि नारायणन ने नैतिकता, ईमानदारी, करुणा और लोकतांत्रिक मूल्यों की विरासत छोड़ी है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

इसरो प्रमुख बोले- गगनयान मिशन में 90फीसदी काम पूरा, 2027 की शुरुआत में अंतरिक्ष जाएगा पहला मानव मिशन

बंगलूरू, एजेंसी। भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसरो के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि अब तक मिशन से जुड़ा लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। नारायणन ने कहा कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है और इसके लिए कई जटिल तकनीकों को विकसित करना पड़ा है। उन्होंने बताया, गगनयान मिशन बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। इस मिशन के लिए रॉकेट को मानव उड़ान के लिए उपयुक्त बनाना था, ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयार करना था, और पर्यावरण नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी थी। इसके अलावा, क्रू एस्केप सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और अन्य मानव–संबंधी तकनीकें भी बनानी पड़ीं। इसरो प्रमुख ने कहा कि अब तीन बिना मानव वाले (अनक्रूड) मिशनों को पूरा करना बाकी है। इन मिशनों के सफल होने के बाद ही अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अनक्रूड मिशन में श्व्योममित्रश नाम की मानवाकृति रोबोट को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, श्हम 2027 की शुरुआत में मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रख रहे हैं। बता दें कि 24 अगस्त 2025 को इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया था। यह परीक्षण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में हुआ। इस टेस्ट में यह परखा गया कि अगर अंतरिक्ष यान को पृथ्वी पर उतारना हो तो नौ पैराशूट एक साथ किस तरह काम करेंगे, ताकि क्रू मॉड्यूल सुरक्षित तरीके से समुद्र में उतर सके। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने बताया, श्हमने एक सिम्युलेटेड मॉड्यूल को हेलिकॉप्टर से करीब तीन किमी ऊंचाई तक ले जाकर छोड़ा, और नौ पैराशूटों की मदद से उसे सफलतापूर्वक सुरक्षित लैंड कराया गया।

तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित

अशोक गहलोत ने की घोषणा

पटना, एजेंसी। अशोक गहलोत ने घोषणा की कि तेजस्वी यादव बिहार चुनाव में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। बिहार के पूर्व उप–मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को उप–मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने गुरुवार, 23 अक्टूबर को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। गहलोत ने कहा, ... हम अमित शाह जी और उनकी पार्टी के अध्यक्ष से पूछना चाहते हैं कि आपके गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन है? यह हमारी मांग है क्योंकि हमने देखा कि चुनाव तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में लड़ा गया था, लेकिन बाद में हमें पता चला कि किसी और को मुख्यमंत्री चुना गया था। गुरुवार को होटल मौर्या में महागठबंधन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में गहलोत ने कहा, हमने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। गहलोत ने यह भी घोषणा की कि विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस और वामपंथी दलों सहित महागठबंधन के सभी सात दलों ने दो चरणों के चुनावों के लिए तेजस्वी के नेतृत्व का समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की है। सीटों के बंटवारे को लेकर गठबंधन में चल रही खींचतान के बीच महागठबंधन के शीर्ष नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकजुटता दिखाई। संकट को सुलझाने के अंतिम प्रयास में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 22 अक्टूबर को गठबंधन सहयोगियों के बीच मध्यस्थता करने पटना पहुँचे। गहलोत ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव से भी मुलाकात की ताकि राजद और कांग्रेस जैसे प्रमुख दलों वाले गठबंधन में तनाव कम किया जा सके। यह घटनाक्रम 11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन हुआ है। पहला चरण 6 अक्टूबर को होगा। मतों की गिनती 14 अक्टूबर को होगी। तेजस्वी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पूछा कि चुनाव नज़दीक आते ही भाजपा और जनता दल यूनाइटेड जैसे दलों का संयुक्त सम्मेलन क्यों नहीं हुआ। राजद नेता ने सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा श्जंगल राजश के आरोपों की वापसी पर भी प्रतिक्रिया दी।

प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने और अनुचित व्यवहार करने के आरोप में 153 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता पुलिस ने दीपावली के बाद हुए जश्न के दौरान विभिन्न कानूनों के उल्लंघन करने के आरोप में 153 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें अनुचित व्यवहार और प्रतिबंधित आतिशबाजी छोड़ना शामिल है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को एक अधिकारी ने दी। बुधवार को की गई कुल गिरफ्तारियों में से 146 लोगों को अभद्र व्यवहार के लिए गिरफ्तार किया गया जबकि सात लोगों को प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने के लिए गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि जुए से संबंधित किसी भी अपराध के तहत कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, साथ ही पुलिस ने इस दौरान 383 यातायात अभियोग भी शुरू किए। इस अभियान के दौरान, पुलिस अधिकारियों ने 16.95 किलोग्राम प्रतिबंधित आतिशबाजी सामग्री और 14.4 लीटर अवैध शराब भी जब्त की। अधिकारी ने बताया कि यातायात उल्लंघन मामलों में 85 मामले बिना हेलमेट के वाहन चलाने के हैं। साथ ही 37 मामले बिना हेलमेट के पीछे बैठने, 73 लापरवाही से वाहन चलाने और 64 शराब पीकर वाहन चलाने के थे।

भाजपा को हराना व मुंबई को बचाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी, राउत ने बताया इंडिया गठबंधन के बनने का मकसद

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले विपक्षी एकता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को हराना और मुंबई को बचाना अब सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। संजय राउत ने कांग्रेस की मराठी नेतृत्व से अपील की कि वे मुंबई के सामने मंडरा रहे खतरे को समझें और शहर को बचाने के लिए आगे आएं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस के

एमएलसी भाई जगताप के बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में न तो शिवसेना (यूबीटी) और न ही राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन करेगी। संजय राउत ने जवाब में कहा, श्कांग्रेस हमारी सहयोगी पार्टी है– चाहे वह इंडिया गठबंधन हो या महा विकास आघाड़ी (एमवीए)। ये दोनों केवल एक पार्टी से नहीं बने हैं। कांग्रेस के अलावा भी कई दल इसमें शामिल हैं। पत्रकारों से बातचीत में संजय राउत ने कहा, हमें भाजपा को हराकर मुंबई को बचाना है। यह लोकतंत्र, संविधान और मुंबई की अस्मिता की लड़ाई है। अगर विपक्षी दल एकजुट होकर लड़ेंगे, तो मराठी मानूस भी इसका समर्थन करेगा।श उन्होंने आगे कहा, अगर किसी ने बीएमसी या स्थानीय चुनाव को लेकर अलग रुख अपनाया है, तो वह उनका मामला है। लेकिन हम ऐसा कोई बयान नहीं देंगे जो हमारे सहयोगियों को मुश्किल में डाले।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में मंदिर बोर्ड के पूर्व अधिकारी मुरारी बाबू गिरफ्तार

केरल, एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर से गायब हुए सोने की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाबू, जिन्हें त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने सोने की चोरी के मामले में निलंबित कर दिया था, को बुधवार रात चंगनास्सेरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। यह मामला मंदिर के स्वर्ण–चढ़ाए गए पैनलों से सोने की कथित हेराफेरी और द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर स्वर्ण–चढ़ाए गए काम में अनियमितताओं से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि बाद में उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम स्थित अपराध शाखा कार्यालय ले जाया गया। सूत्रों के अनुसार, बाबू के रिश्तेदार गुरुवार सुबह अपराध शाखा कार्यालय पहुँचे। सुबह करीब 10 बजे, एसआईटी ने औपचारिक रूप से उनकी गिरफ्तारी दर्ज की और उनके परिवार के सदस्यों को पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। बाद में उन्हें उनसे मिलने की अनुमति दी गई।

मुरारी बाबू पर क्या आरोप हैं?

अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी शाम को बाबू को पठानमथिट्टा स्थित न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश करेगी। एसआईटी विस्तृत पूछताछ के लिए बाबू की हिरासत की मांग करते हुए अदालत में एक याचिका दायर कर सकती है। द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की स्वर्ण–चढ़ाई वाली प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के चौखटों से सोना गायब होने से संबंधित दो मामलों में बाबू को आरोपी बनाया गया है। 2019 में, जब मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने टीडीबी को द्वारपालक की मूर्तियों पर विद्युत–चढ़ाई का प्रस्ताव दिया, तो बाबू ने बोर्ड को प्रस्ताव भेजा, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि स्वर्ण–चढ़ाई वाली प्लेटें तांबे की बनी थीं। कहा जाता है कि उन्होंने 2025 में पोट्टी की ओर से फिर से ऐसा ही एक प्रस्ताव भेजा था। बाबू हरिपद में उप देवस्वम आयुक्त के पद पर कार्यरत थे, जब उन्हें हाल ही में सेवा से निलंबित कर दिया गया था। टीडीबी सतर्कता विभाग, जिसने प्रारंभिक जाँच की थी, ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिसमें द्वारपालक की मूर्तियों और श्रीकोविल के चौखटों से सोना निकालने में बोर्ड के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता पर संदेह जताया गया था।

अभिभावक के अवैध सौदे को नाबालिग कर सकता है खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मुकदमा जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में स्पष्ट कर दिया है कि अगर किसी नाबालिग की संपत्ति उसके अभिभावक ने कोर्ट की अनुमति के बिना बेच दी है, तो बालिग होने के बाद वह उस सौदे को केवल अपने आचरण से भी अस्वीकार कर सकता है। इसके लिए उसे अदालत में अलग से मुकदमा दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने कहा कि व्यवहार से अस्वीकृति भी कानूनन वैध मानी जाएगी। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि हिंदू अल्पसंख्यक और अभिभावक अधिनियम, 1956 की धारा सात और आठ के तहत प्राकृतिक अभिभावक द्वारा नाबालिग की अचल संपत्ति को कोर्ट की अनुमति के बिना बेचना रद्द माना जाएगा। अदालत ने कहा कि ऐसा सौदा बालिग होने के बाद नाबालिग या तो मुकदमा दाखिल करके रद्द कर सकता है या अपने स्पष्ट आचरण, जैसे उसी संपत्ति को स्वयं बेच देना, के जरिये भी अस्वीकार कर सकता है। यह फैसला पिछले कई वर्षों से चली आ रही कानूनी अस्पष्टता को दूर करता है, जिसमें यह स्पष्ट नहीं था कि नाबालिग को ऐसे मामलों में मुकदमा दाखिल करना जरूरी है या नहीं।

इस मामले में आया फैसला

यह फैसला कर्नाटक के दावणगेरे जिले के केएस शिवप्पा की अपील पर आया। मामला दो सटे हुए भूखंडों से जुड़ा था, जिन्हें रुद्रप्पा नामक व्यक्ति ने 1971 में अपने तीन नाबालिग बेटों के नाम से खरीदा था। लेकिन जल्द ही रुद्रप्पा ने कोर्ट की अनुमति लिए बिना दोनों भूखंडों को अलग–अलग खरीदारों को बेच दिया। इनमें से एक प्लॉट 56 को बाद में कई बार बेचा गया और आखिरकार 1989 में नाबालिगों के बालिग होने के बाद उन्हीं के द्वारा शिवप्पा को बेचा गया। दूसरा प्लॉट 57 भी रुद्रप्पा ने कोर्ट अनुमति के बिना बेचा, जिसे 1993 में नीलम्मा नाम की महिला ने खरीदा।

शिवप्पा ने दोनों प्लॉट्स को खरीदने के बाद उन पर एक मकान बनाया। बाद में नीलम्मा ने इनमें से एक प्लॉट पर स्वामित्व का दावा करते हुए शिवप्पा पर मुकदमा दायर कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने शिवप्पा के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि रुद्रप्पा का बिना अनुमति किया गया सौदा 'रद्द योग्य' था और नाबालिग बेटों ने बालिग होने के बाद संपत्ति खुद बेचकर उसे वैध रूप से अस्वीकार कर दिया।

रोडवेज बस चालक हत्याकांड- हत्यारोपियों पर लगेगा एनएसए, संपत्ति होगी कुर्क

प्रयागराज। रोडवेज बस चालक रावेंद्र के हत्यारोपियों को दबोचने के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने टीम के साथ मड़ियाडीह व पूरामुफ्ती में दबिश दी। इस दौरान कई संदिग्धों को उठाया गया।

रोडवेज बस चालक रावेंद्र के हत्यारोपियों को दबोचने के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने टीम के साथ मड़ियाडीह व पूरामुफ्ती में दबिश दी। इस दौरान कई संदिग्धों को उठाया गया। वहीं नामजद हत्यारोपियों समेत अन्य पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया जाएगा। धूमनगंज थाना प्रभारी की भी विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। रावेंद्र की हत्या के मामले में धूमनगंज थाना पुलिस ने दो भाईयों समेत 11 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की

है। इनमें से अधिकतर आरोपी मड़ियाडीह व पूरामुफ्ती के रहने वाले हैं। बुधवार को सूचना पर पुलिस आयुक्त फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पुलिस की एक टीम सभी आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा तैयार करने में जुट गई है। इनपर गैंगस्टर लगाने के साथ संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। मामले में टीपी नगर चौकी प्रभारी को निलंबित करने के बाद धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय के खिलाफ लापरवाही बरतने के आरोप में विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच में दोषी पाए जाने पर पुलिस विभाग उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। रोडवेज बस चालक रावेंद्र की हत्या के बाद हंगामे से बचने के लिए बुधवार को पुलिस सक्रिय रही। पोस्टमार्टम हाउस में धूमनगंज थाना प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचे, वहीं दिनभर मुंडेरा चुंगी और मृतक के घर के पास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। देर शाम बेगम सराय स्थित घाट पर मृतक के शव का अंतिम संस्कार कराया गया। रावेंद्र परिवार में आठ भाई बहनों में दूसरे नंबर पर था। वह संविदा पर रोडवेज में चालक था। नीमसराय में रावेंद्र अपनी पत्नी निशा देवी व बेटी रिया और बेटे सोनू के साथ रहता था। नरेंद्र ने पुलिस से गुहार लगाई कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। बुधवार सुबह शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, चारों तरफ तरफ चीख पुकार मची रही। रावेंद्र के शव को देखकर पत्नी बिलख पड़ी और बोली कि आखिर तुम मुझे छोड़ कर क्यों चले गए... पुलिस आरोपियों पर कार्रवाई करेगी तभी कलेजे को ठंडक मिलेगी। घटना के बाद धूमनगंज बाजार में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा और कई दुकानें बंद रहीं। यहां पीएसी के अलावा अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। बता दें कि पिछले तीन दिनों के भीतर धूमनगंज थाना क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी घटना हुई है। जांच में पता चला कि सूचना के बावजूद चौकी प्रभारी देर से मौके पर पहुंचे और इससे पीड़ित परिजनों को चक्काजाम करने का मौका मिल गया। पूर्व में भी आरोपियों के खिलाफ शिकायत होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट के आधार पर तत्काल प्रभाव से चौकी प्रभारी राजेश कुमार चौबे को निलंबित कर दिया गया। एक अन्य मामले में पूर्व मुंडेरा बाजार निवासी सिद्धार्थ केसरवानी ने भी आरोपियों पर 12 अक्तूबर को एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने शिकायत में बताया था कि दुकान के सामने कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने जानलेवा हमला किया था। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में भी चौकी प्रभारी की लापरवाही सामने आई है।

हत्यारोपियों पर एनएसए, गैंगस्टर एक्ट के साथ संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई जाएगी। लापरवाही बरतने के आरोप में धूमनगंज थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच में दोषी पाए जाने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। –जोगेंद्र कुमार, पुलिस आयुक्त

दिवाली पर जन्मीं लक्ष्मी, दीपांजलि और नारायणी

प्रयागराज। नैनी निवासी नीलम ने जिला महिला चिकित्सालय में दिवाली पर सुबह करीब 11.30 बजे एक बेटी को जन्म दिया। इसके साथ ही उनकी व उनके पति मुकेश की चाहत पूरी हो गई। परिजनों को इसकी खबर मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पिता मुकेश ने कहा कि बेटी का नाम दीपांजलि रखेंगे। सोमवार को शहर के जिला महिला चिकित्सालय में तीन और स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में एक बच्ची का जन्म हुआ। दिवाली के मौके पर जन्मीं बेटियों की किलकारी जैसे ही अस्पताल में गूंजी तो परिजनों के साथ ही चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई। परिजनों ने बेटियों को मां लक्ष्मी का रूप मानकर इनका नाम लक्ष्मी, दीपांजलि और नारायणी रखा। प्रमुख अधीक्षक डॉ. सुनीता सागर और मैट्रिन सुनीता अंसारी ने सभी का मुंह मीठा कराकर खुशी का इजहार किया। जिला अस्पताल में नीलम के अलावा मिर्जापुर की रिंकी ने दोपहर करीब 2रू22 बजे और एसआरएन अस्पताल में कौंधियारा निवासी महिला सहित एक अन्य ने दिवाली के मौके पर बेटी को जन्म दिया। जच्चा–बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इनमें से दो को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और दो अन्य को तीन–चार दिन में घर भेज दिया जाएगा।

दिवाली पर हमारे अस्पताल में तीन बेटियों का जन्म हुआ। इससे परिजन काफी खुश हैं। वहीं सभी जच्चा–बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इनमें दो को अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई है।
– डॉ. सुनीता सागर, प्रमुख अधीक्षक, डफरिन अस्पताल

संकेतक पर लगा पोस्टर, कानपुर 200 से हो गया 20 किमी दूर

प्रयागराज। विज्ञापन करने वालों ने अब शहर के प्रमुख मार्गों पर लगे संकेतकों पर भी कब्जा कर लिया है। ताजा उदाहरण संगम से कानपुर जाने वाले मार्ग का है, जहां संकेतक पर लगे पोस्टर के कारण प्रयागराज से कानपुर की दूरी 200 के बजाय अब 20 किलोमीटर दिखाई जा रही है। यह हालत तब है जब इस मार्ग से प्रतिदिन जनप्रतिनिधियों और बड़े अफसरों का आना–जाना है। बालसन चौराहे से सेंट एंथोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज के बीच लगे द्वार के पर ऊपर बने संकेतक पर प्रयागराज से कानपुर के बीच की दूरी 200 किलोमीटर प्रदर्शित की गई है लेकिन 200 का अंतिम शून्य पोस्टर के पीछे छिप गया है और उस पर कानपुर की दूरी अब 20 किमी ही प्रदर्शित हो रही है। संकेतक पर नवरात्र, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, भइयादूज व छठ पूजा की बधाई का पोस्टर चस्पा कर दिया गया है।

दरवाजे पर डेंगू, दवा का छिड़काव न फॉगिंग

प्रयागराज। जिले में डेंगू के कुछ मरीज चिह्नित होने के साथ ही कई संदिग्धों की जांच रिपोर्ट आने का इंतजार है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से इतर डेंगू के कई मरीज निजी अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। शहर के करीब एक दर्जन मोहल्लों को संवेदनशील घोषित किया गया है। बीते वर्षों में डेंगू का कहर झेल चुके लोगों में इसे लेकर काफी दहशत है। इसके कुछ मामले सामने आने के बावजूद इलाकों में अब तक न तो एंटी–लार्वा का छिड़काव हुआ और न ही फॉगिंग शुरू हुई है। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। अल्लापुर एवं तेलियरगंज के लोगों से बात की तो वे डेंगू को लेकर काफी चिंतित दिखे।

वहीं स्वास्थ्य विभाग एवं निगम की उदासीनता को लेकर नाराजगी भी जाहिर की। लोगों का कहना था कि जिम्मेदार हर साल आग लगने पर कुंआ खोदने जैसा काम करते हैं। परेशान लोग शोर मचाते रह जाएंगे और इसी बीच कुछ लोगों की जान पर बनकर डेंगू की लहर भी समाप्त हो जाएगी। हर साल यही होता है। जिम्मेदार समय रहते कार्रवाई कर दें तो डेंगू की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लग सकता है। तेलियरगंजरू डेंगू से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं, लोग परेशान अरसे से गंदगी और बदबू की मार झेल रहे तेलियरगंज के लोग अब डेंगू की दस्तक से डरे–सहमे हैं। शहर में डेंगू के कुछ मामले सामने आने के बावजूद यहां अभी तक डेंगू से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम भी नहीं किया गया है। मेंहदौरी, शिलाखाना, रसूलाबाद, शंकरघाट व कांशीराम कॉलोनी सहित तमाम बस्तियों में अभी तक एंटी–लार्वा का छिड़काव नहीं हो पाया है। अरसे से लचर सफाई व्यवस्था की समस्या से जूझ रहे लोग फॉगिंग की मांग कर रहे हैं लेकिन फॉगिंग भी नहीं कराई जा रही है जिससे लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। शिलाखाना के लोगों ने बताया कि बीते वर्षों में यहां डेंगू की चपेट में कई लोग आ गए थे जिनको अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा था। फिर से वैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं। दशहरा के पहले से ही यहां सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और एंटी–लार्वा के छिड़काव जैसी बेहद जरूरी मांग को जिम्मेदार नजरअंदाज करते आ रहे हैं। इससे लोग परेशान हैं। यहां की कांशीराम कॉलोनी की हालत तो बेहद खराब है। हर तरफ गंदगी पसरी हुई है, पाइपों से पानी बह रहा है, कचरे के ढेर लगे हुए हैं। अरसे से यहां साफ–सफाई नहीं हुई है। लोग डेंगू को लेकर काफी दहशत में हैं। यहां सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर एंटी–लार्वा के छिड़काव की सख्त जरूरत है। समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यहां डेंगू का फैलना तय माना जा रहा है। अल्लापुर रू हालात बिगड़ने का इंतजार कर रहा है स्वास्थ्य विभाग! डेंगू को लेकर अल्लापुर इलाका बेहद संवेदनशील माना जाता है। बीते वर्षों में डेंगू का कहर झेल चुके लोग इसके नाम से ही दहशत में आ जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिम्मेदारों को पता है कि इस सीजन में डेंगू का खतरा बढ़ जाता है तो समय रहते ही इससे बचाव के इंतजाम कर लेने चाहिए थे। अब डेंगू ने दस्तक दे दी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग अब भी पूरी तरह से हालात बिगड़ने का इंतजार कर रहा है। रामलीला पार्क के आसपास के लोगों का कहना है कि भले ही यहां फॉगिंग के लिए गाड़ी आती हो लेकिन तमाम मोहल्लों में फॉगिंग की गाड़ी नहीं पहुंच रही है। जो लोग इस कार्य में लगे हुए हैं उनका मुख्य फोकस मेन रोड व प्रमुख चौराहों तक ही सिमटकर रह जाता है। गलियां और संपर्क मार्ग अछूते रह जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अल्लापुर के रामानंद नगर, तिलक नगर, विमल नगर, हैजा अस्पताल के पीछे और लेबर चौराहा आदि स्थानों पर एंटी–लार्वा के छिड़काव की सख्त जरूरत है। इसके लिए निगम के जिम्मेदारों को दशहरा के समय ही समस्या से अवगत कराते हुए एंटी–लार्वा के छिड़काव व फॉगिंग की मांग विभाग से की गई थी। लेकिन जिम्मेदारों ने किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी। डेंगू कभी भी कहर बरपा सकता है। शहर में बनाए गए हैं सात डेंगू जोन डेंगू से निबटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने शहर में सात डेंगू जोन बनाए हैं। इनमें तेलियरगंज, अल्लापुर, धूमनगंज, मुंडेरा, नैनी, झूंसी व फाफामऊ शामिल हैं। साथ ही, राजापुर और जॉर्जटाउन सहित ग्रामीण अंचल के भारतगंज, मांडा, जसरा को भी डेंगू की दृष्टि से संवेदनशील मना जा रहा है। शहर के सरकारी अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाए गए हैं। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल, तेग बहादुर सप्रू अस्पताल व काल्विन में 25–25 बेड का डेंगू वार्ड भी बनाया गया है। स्वरूपरानी अस्पताल में 18 संदिग्ध मरीजों के खून के नमूने को जांच के लिए भेजा गया है, जिनकी जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। अभी तक इन क्षेत्रों में मिल चुके हैं मरीज शहरी क्षेत्र रू नैनी, चाका, झूंसी, सिविल लाइंस, नया पुरवा, नया कटरा, धूमनगंज, राजापुर, मुट्ठीगंज, जार्जटाउन, तेलियरगंज, मीरापुर। ग्रामीण क्षेत्र रू होलागढ़, भारतगंज, मांडा, कोरांव, फूलपुर, जसरा। जांच में 6,800 स्थानों पर पाए गए डेंगू मच्छर के लार्वा मलेरिया विभाग की टीम ने पिछले दिनों शहर के 71,200 घरों में जांच कराई थी। जांच में 6,800 स्थानों पर डेंगू मच्छर के लार्वा पाए गए थे। टीम को जांच में 2,700 स्थानों पर कूलर में, 360 स्थानों पर फ्रिज में, 310 स्थानों पर पानी की टंकी में, 1,670 स्थानों पर गमलों में, 240 स्थानों पर नाली में तथा 1,520 स्थानों पर पुराने टायर एवं डिब्बों में लार्वा पाए गए थे। जिले में इस माह आए डेंगू के 10 मरीज जिले में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को डेंगू के तीन नए मरीज मिले। इसमें एक एक मरीज चाका, झूंसी और सिविल लाइन के हैं। इसी के साथ जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। अक्तूबर में अब तक डेंगू के 10 मरीज मिल चुके हैं। डेंगू की रोकथाम के लिए तैनात कर्मचारी मलेरिया इंस्पेक्टर – 10 डीबीसी कर्मचारी – 58 स्प्रे कर्मचारी – 20 पर्यवेक्षक – 8

हम लोग दशहरा के पहले से ही सफाई व एंटी–लार्वा के छिड़काव की मांग कर रहे हैं लेकिन अधिकारी हमारी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां सफाई और एंटी–लार्वा का छिड़काव बेहद जरूरी है।–राजकुमार गौतम, तेलियरगंज बीते वर्षों में डेंगू ने यहां काफी कहर बरपाया था। कई लोगों को अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा था। डेंगू को लेकर बस्ती में काफी दहशत है। डेंगू रोकने के लिए जिम्मेदारों को पुख्ता इंतजाम करना होगा।–बबलू शर्मा, तेलियरगंज हम लोग कांशीराम कॉलोनी में रहते हैं। वहां कभी सफाई नहीं होती। गंदगी और बदबू के कारण हम पूरे साल परेशान रहते हैं। अब डेंगू का खतरा मंडराने लगा है तो जिम्मेदारों को कार्रवाई करनी चाहिए।–सुशीला, तेलियरगंज डेंगू फैलने की खबर से हम लोग परेशान हैं। घर में छोटे बच्चे हैं जिन्हें लेकर चिंता बनी रहती है। प्रशासन सफाई कराकर एंटी–लार्वा का छिड़काव कराए। नियमित फॉगिंग भी होनी चाहिए।–बेबी रानी, तेलियरगंज हम लोग शिकायत करते रह जाते हैं लेकिन हमारी सुनता कोई नहीं है। एंटी–लार्वा के छिड़काव और फॉगिंग के लिए लगातार जिम्मेदारों को कहा जा रहा है लेकिन इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।–शीला देवी, तेलियरगंज हम लोग सिर्फ शिकायत ही तो कर सकते हैं। जिम्मेदार अगर हमारी शिकायतों पर ध्यान नहीं देंगे तो हम क्या कर सकते हैं। अगर जिम्मेदार गंभीर हो जाएं तो समस्या ही नहीं होने पाएगी।–छोटी, तेलियरगंज दो साल पहले भी बस्ती के कई लोग चपेट में आ गए थे जिन्हें काफी दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इस बार भी वैसे ही हालात बन रहे हैं, जिम्मेदार सुन नहीं रहे न बचाव की कोई कार्रवाई हो रही है।–संगीता, तेलियरगंज शिलाखाना के आसपास से कांशीराम कॉलोनी तक के हिस्से में काफी समस्या है। यहां साफ–सफाई कराने के अलावा एंटी–लार्वा का छिड़काव भी किया जाना बेहद जरूरी है वरना डेंगू फैलते देर नहीं लगेगी।–अमरेश कुमार, तेलियरगंज प्रशासन को चाहिए कि डेंगू का सीजन आने से पहले ही इससे बचाव के पूरे इंतजाम कर ले, लेकिन डेंगू फैलने के बाद भी जिम्मेदार समस्या से अनजान बने रहते हैं। अभी तक डेंगू से बचाव का कोई काम नहीं हुआ है।–न्यूटी देवी, तेलियरगंज डेंगू की रोकथाम के लिए जिम्मेदारों को समय रहते ध्यान देना चाहिए। जब हालात बिगड़ जाते हैं तब जिम्मेदारों की नींद टूटती है। अभी तक न तो फॉगिंग शुरू हुई है, न ही एंटी–लार्वा का छिड़काव हुआ है।–सूर्यबली, तेलियरगंज हर तरफ साफ–सफाई हो और समय पर दवा का छिड़काव कर दिया जाए तो डेंगू के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। लेकिन जब समस्या काफी बढ़ जाती है तब जिम्मेदार जागते हैं।–कल्लू, अल्लापुर अल्लापुर में प्रतिवर्ष डेंगू की समस्या पैदा हो जाती है। समय से इसके बचाव का इंतजाम कर लिया जाए तो लोगों को परेशान न होना पड़े। यहां अभी कई जगह एंटी–लार्वा का छिड़काव नहीं किया गया है।–सोनू, अल्लापुर हम लोग पुराने शहर में रहते हैं लेकिन कारोबार के कारण पूरा दिन यहीं बीतता है। यहां मच्छरों की बड़ी समस्या है। डेंगू मच्छर न पनपने पाएं इसके लिए प्रशासन को पहले से इसके बचाव का इंतजाम कर लेना चाहिए था।–स्वदेश, अल्लापुर

प्रयागराज छिवकी होकर चलेंगी कई स्पेशल ट्रेनें, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

प्रयागराज। दिवाली मनाने के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने बुधवार को आठ जोड़ी ट्रेनों के संचालन का एलान किया। आठ जोड़ी ट्रेनों में छह जोड़ी ट्रेनें प्रयागराज छिवकी के रास्ते और दो जोड़ी ट्रेनें वाया सूबेदारगंज संचालित होंगी।

दिवाली मनाने के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने बुधवार को आठ जोड़ी ट्रेनों के संचालन का एलान किया। आठ जोड़ी ट्रेनों में छह जोड़ी ट्रेनें प्रयागराज छिवकी के रास्ते और दो जोड़ी ट्रेनें वाया सूबेदारगंज संचालित होंगी। इन सभी की समय सारिणी रेलवे द्वारा जारी कर दी गई है। रेलवे द्वारा जो ट्रेनें संचालित की जाएंगी उसमें सबेदारगंज के रास्ते कोलकाता–जोधपुर व जयपुर के निकट ढेहर का बालाजी रेलवे स्टेशन से पाटलिपुत्र स्पेशल चलेगी। इसी तरह बंगलूरू–दरभंगा, मुजफ्फरपुर–बंगलूरू, बरौनी–बंगलूरू, पुणे–दानापुर, छत्रपति शिवाजी टर्मिनल–दानापुर, लोकमान्य तिलक–दानापुर का संचालन वाया प्रयागराज छिवकी होगा।

दिवाली मनाने के बाद अब वापसी कर रहे लोगों की राह आसान करने के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से बृहस्पतिवार 23 अक्तूबर को पुणे के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। प्रयागराज छिवकी के रास्ते संचालित इस ट्रेन का संचालन पटना के दानापुर से पुणे तक होगा। दानापुर से गाड़ी संख्या 01474 की रवानगी सुबह 8.30 बजे होगी। दोपहर 2.20–2.25 बजे ट्रेन का प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर आगमन–प्रस्थान होगा। यहां से मानिकपुर, सतना, मैहर आदि जगह रुकते हुए अगले दिन शाम 5.35 बजे ट्रेन पुणे पहुंच जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन में स्लीपर, सामान्य और एसी टू श्रेणी के कुल 21 कोच रहेंगे।

वापसी वालों के लिए पांच जोड़ी अनारक्षित ट्रेनों का एलान

दिवाली मनाने के बाद वापसी करने वाले लोगों की सुविधा के लिए पांच जोड़ी ट्रेनों के संचालन का एलान किया गया है। यह सभी अनारक्षित ट्रेनें है। इनमें बांद्रा टर्मिनल–पटना, उधना–जयनगर, उधना–समस्तीपुर, अंकलेश्वर–समस्तीपुर, साबरमती–मुजफ्फरपुर स्पेशल शामिल है। ट्रेन संख्या 09009/10 बांद्रा टर्मिनस पटना अनारक्षित विशेष ट्रेन 24 से 26 अक्तूबर तक प्रयागराज छिवकी होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 09093/94 उधना जयनगर अनारक्षित स्पेशल 25 अक्तूबर तक उधना से एवं 26 अक्तूबर तक जयनगर से चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09001/02 उधना–समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल 25 अक्तूबर तक उधना से एवं 27 अक्तूबर तक समस्तीपुर से चलेगी। ट्रेन संख्या 09157/58 अंकलेश्वर–समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 23 और 24 अक्तूबर को अंकलेश्वर से एवं 25 और 26 को समस्तीपुर से संचालित होगी। वहीं 09483/84 साबरमती– मुजफ्फरपुर वाया आगरा, कानपुर–लखनऊ के रास्ते संचालित होगी।

सुबह पांच बजे से लगी लाइन, मात्र दो मिनट में ही तत्काल कोटे की सीटें भरीं

प्रयागराज। दिवाली मनाने के बाद वापसी करने वालों की भीड़ बुधवार से बढ़नी शुरू हो गई। कंफर्म टिकट नहीं होने से लोगों से सामने दिक्कत है। यह लोग तत्काल टिकट के लिए सुबह पांच बजे से ही लाइन में लग रहे हैं। दिवाली मनाने के बाद वापसी करने वालों की भीड़ बुधवार से बढ़नी शुरू हो गई। कंफर्म टिकट नहीं होने से लोगों से सामने दिक्कत है। यह लोग तत्काल टिकट के लिए सुबह पांच बजे से ही लाइन में लग रहे हैं। बुधवार को रामबाग स्टेशन, जंक्शन पर तत्काल के लिए लोग सुबह ही पहुंच गए, लेकिन इसमें चंद लोग को ही कंफर्म टिकट हासिल हो सका। महज दो से तीन मिनट ही सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची हो गई। रामबाग स्टेशन पहुंचे बैरहना के रवि केसरवानी ने बताया कि वह सुबह 5.30 बजे ही स्टेशन पहुंच गए। आठ बजे आरक्षण काउंटर खुलने के तकरीबन आधा घंटे पहले ही तत्काल फार्म के टोकन का वितरण किया गया। दस बजे रिजर्वेशन शुरू हुआ। जब तक नंबर आता तब तक दिल्ली जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में तत्काल कोटे की भी प्रतीक्षा सूची हो गई। इसी तरह मुंबई के लिए महानगरी एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराने के लिए पहुंचे अनिकेत श्रीवास्तव ने बताया कि वह मंगलवार सुबह भी आए थे लेकिन जब तक उनका नंबर आता तत्काल कोटे की बर्थ भर गई। बुधवार को भी ऐसा ही हुआ। वहीं, जंक्शन, प्रयाग, सूबेदारगंज और छिवकी स्टेशन पर बुधवार को खूब भीड़ उमड़ी। हालत यह हो गई है कि ट्रेनों के रुकते ही उसमें सवार होने के लिए यात्री टूट पड़ते हैं। गेट पर धक्कामुक्की होने लगती है। प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली ट्रेनों में बुधवार को कतार लगवाकर आरपीएफ और जीआरपी ने यात्रियों को कोच में बैठाया। प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए काफी लंबी लाइन लग गई। ट्रेन में चढ़ने को मारामारी की नौबत आ गई थी। आकस्मिक खिड़की तक से लोगों को कोच में चढ़ना पड़ा। अन्य ट्रेनों में भी यही हाल रहा। भीड़ के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए कई त्योहार विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है लेकिन सभी में अगले कुछ दिन लंबी प्रतीक्षा सूची है। 26 अक्तूबर को इस सीजन की सर्वाधिक भीड़ ट्रेनों में उमड़ सकती है।

पटाखों के जुनून में उड़ीं एक दर्जन से अधिक किशोरों के हाथों की अंगुलियां

प्रयागराज। दिवाली पर खतरनाक पटाखे जलाने की चाहत कई लोगों पर भारी पड़ गई। इससे एक दर्जन से अधिक किशोरों के हाथों की अंगुलियां उड़ गईं जिसके बाद आननफानन इन्हें स्वरूप रानी अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराना पड़ा। वहीं 48 घंटे के भीतर 55 लोग एसआरएन अस्पताल पहुंचे। इनमें से 16 लोगों को बर्न वार्ड में भर्ती करना पड़ा। घायलों में 98 फीसदी सात से 17 वर्ष तक के किशोर हैं। चिकित्सकों का कहना है कि पटाखे जलाते समय हाथों की अंगुलियां उड़ने के साथ लोगों का चेहरा, पैर व छाती झुलसने के मामले भी सामने आए हैं। हालांकि सभी घायल खतरे से बाहर हैं। पटाखों के बारूद से करीब 25 लोगों की आंखें जख्मी हुई हैं। इनमें चार लोग ऐसे हैं जिनकी आंखों की पुतली सफेद हो गई है और इन्हें 90 फीसदी तक दिखना बंद हो गया है। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी सिंह का कहना है कि ऑपरेशन के बाद ही पता चल सकेगा कि पीड़ितों की आंखों की रोशनी कितनी फीसदी तक वापस आ सकती है।

आतिशबाजी के दौरान कई लोग घायल हुए हैं। 16 लोगों को भर्ती किया गया है, उनका उपचार चल रहा है। पटाखे जलाते समय घायल होने वालों में 98 फीसदी किशोर हैं।
– डॉ. मोहित जैन, अध्यक्ष, बर्न विभाग, मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज

दावों के विपरीत पीसीएस प्री की उत्तर कुंजी पर आपत्तियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अफसरों के दावों के विपरीत प्रश्न एवं उनके जवाब को लेकर विवाद थमता नहीं दिख रहा। प्रतियोगियों को आयोग की ओर से जारी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2025 की उत्तर कुंजी पर भी आपत्ति है। उन्होंने एनसीईआरटी के आधार छह से अधिक सवालों के जवाब पर आपत्ति जताई है। अभी 25 अक्तूबर तक आपत्तियां ली जाएंगी। ऐसे में इनकी संख्या बढ़ सकती है। आयोग की ओर से जारी उत्तर कुंजी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। प्रतियोगियों की आपत्तियों के बाद कई भर्ती परीक्षाओं के परिणाम भी बदलने पड़े हैं। इस तरह की गलतियां दोबारा न होने पाने इसके लिए आयोग की ओर से कई बड़े कदम उठाने के दावे किए गए।

विशेषज्ञों के पैनल का भी नए सिरे से गठन किया गया। 400 विशेषज्ञों को फिर से बाहर किया जा रहा है। इसके बावजूद विवाद थमता नहीं दिख रहा। अभ्यर्थियों की ओर से आपत्तियां दर्ज कराने का क्रम भी शुरू हो गया है।

आयोग के अनुसार अटल सुरंग हिमालय की पीर जंगल शृंखला में बनाई गई है। वहीं प्रतियोगियों के अनुसार यह सुरंग विश्व की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग का विकल्प भी सही है।

इसी तरह से आयोग के अनुसार लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरमेंट को जून में 2022 में लांच किया गया था। वहीं प्रतियोगियों का कहना है कि स्पेन में इसके विचार को पारित भी किया गया था। आयोग के अनुसार विद्रोहों का सही क्रम संन्यासी, नील, कूका एवं पबना है जबकि प्रतियोगी आशीष सिंह का कहना है कि एनसीईआरटी के अनुसार सही क्रम सन्यासी, कूका, नील एवं पबना है। प्रतियोगियों ने विभिन्न योजनाओं के काल क्रम समेत आयोग के कई अन्य जवाब पर भी आपत्तियां जताई हैं।

भोकरहेडी इंटर कालेज में होगा एनसीसी का दस दिवसीय कैंप

मोरना। कस्बा भोकरहेडी के इंटर कालेज में 82 यूपी बटालियन एनसीसी के द्वारा दस दिवसीय एनसीसी कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर यूनिट के 550 कैडेट्स प्रतिभाग करेंगे। जिसकी तैयारी जोरो से की जा रही है।

एनसीसी के लेफ्टिनेंट अमित राणा ने बताया कि कमांडिंग आफिसर कर्नल प्रवीण भाल विशिष्ट सेना मेडल के निर्देशन में 25 अक्टूबर से तीन नवंबर तक कैंप का आयोजन होगा।

जिसमें जनपद मेरठ, सहारनपुर एवं मुजफ्फरनगर जनपद की 11यूनिट के लगभग 550 कैडेट्स भाग लेंगे। जिसमें गणतंत्र दिवस परेड के लिए कैडिट की ट्रेनिंग होगी, इस ट्रेनिंग में गार्ड ऑफ ऑनर ,कर्तव्य पथ ,पीएम रैली, फ्लैग एरिया कंपटीशन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कंपटीशन के लिए बच्चों को तैयार किया जाएगा। साथ ही साथ सी एटीसी 263 कैंप कैडेट भी प्रतिभागी करेंगे, जिसमे बच्चों को ड्रिल वेपन ट्रेनिंग और फायरिंग की तैयारी कराई जाएगी, एक अन्य प्रतिस्पर्धा में सीडब्ल्यूएस के अंतर्गत बेस्ट कैडेट चुने जायेंगे यह एक सिलेक्शन कैंप होगा। कैंप में 70 से अधिक सैन्य कर्मचारी मौजूद रहेंगे, प्रत्येक दिन की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी तथा यहां से चुने गए केडेट मेरठ कैंप में प्रतिभाग करेंगे।

भाई-दूज के पावन पर्व पर जिला कारागार, मुजफ्फरनगर में निरुद्ध बंदियों की उनकी बहनों से विशेष मुलाकात करायी

मुजफ्फरनगर। सभाई-दूज के पावन पर्व पर जिला कारागार, मुजफ्फरनगर मैंनिरुद्ध बंदियों की उनकी बहनों से विशेष मुलाकात करायी गयी। कारागार प्रशासन की ओर से कारागार पर मिलने आने वाले बहनों व बच्चों हेतु टेंट, विशेष जलपान व मिष्ठान आदि की व्यवस्था की गयी। कारागार पर आयी लगभग 600 बहनों ने कारागार में निरूद्ध अपने भाईयों को टीका कर अपराध जगत छोडने का संकल्प दिलाया और आरती उतारकर मृत्यु के

देवता से अपने भाईयों की लंबी आयु, सुख-समृद्धि व अच्छे भाग्य की कामना की। उक्त मुलाकात के दौरान बंदी व बहनें भावुक दिखाई दिए। जेल अधीक्षक अभिषेक चौधरी ने बताया कि भाई-दूज का पावन पर्व कारागार में निरुद्ध बंदियों व मुलाकात पर आयी उनकी बहनों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया। साथ ही बहनों व बच्चों से मुलाकात कर बंदी भी तनावमुक्त नजर आये। इसके अतिरिक्त कारागार की महिला बैरक में निरुद्ध महिला बंदियों से भी उनके भाईयों ने कारागार पर पहुँचकर तिलक करवाया। कारागार की महिला बैरक में निरुद्ध 09 महिला बंदियों द्वारा पुरुष बैरक में निरूद्ध अपने भाईयों को भी तिलक लगाकर रीति के अनुसार पर्व मनाया। इस अवसर पर मुलाकात हेतु विशेष व्यवस्था करने के लिए बंदियों एवं बहनों ने जेल अधीक्षक अभिषेक चौधरी, जेलर नीरज कुमार श्रीवास्तव एवं समस्त कारागार स्टाफ का भावपूर्ण आभार व्यक्त किया। इस दौरान डिप्टी जेलर दीपक सिंह, हेमराज सिंह, अंकित कुमार, यशकेन्द्र यादव समेत अन्य कारागार स्टाफ मौजूद रहे।

लोनिवि चालक संघ चुनाव 8 एवं 9 नवम्बर को होगा

लखनऊ, संवाददाता। राजकीय परिवाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग की द्विवार्षिक अधिवेशन की घोषणा समयानुसार वर्तमान कार्यकारिणी ने कर दी है। लोक निर्माण विभाग विश्वैश्रैया प्रेक्षागृह में अधिवेषन 8 एवं 9 नवम्बर 25 को सम्पन्न होगा। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष शिव कुमार यादव एवं महामंत्री सुभाष चन्द्र मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि प्रान्तीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी शिव कुमार यादव अध्यक्ष और सुभाष मिश्र महामंत्री,प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सिंह रावत, उपमंत्री शकील अहमद, संयुक्त मंत्री वीरेद्र सिंह, संगठन मंत्री बेचन प्रसाद, प्रसार मंत्री शफीक हुसैन, कोषाध्यक्ष अजय बिसारिया, सम्प्रेक्षक राजकुमार की उपस्थिति में समयानुसार अधिवेशन कराये जाने का निर्णय पिछली बैठक में लिया गया था।

बेसिक और माध्यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर होगी वापसी-पार्थसारथी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बेसिक और माध यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर वापस होंगे। योगी सरकार ने नियमों के विरुद्ध शिक्षकों और कर्मियों की मूल पद से इतर संबद्धता को समाप्त कर मूल पदों पर भेजने का निर्देश दिया है। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने शासनादेश में कहा है कि संबद्ध शिक्षकों और कर्मियों को तुरंत उनके मूल पदों पर भेजा जाए। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से 10 दिन में इसकी रिपोर्ट मांगी है।अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि शासन की अनुमति के बिना अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा जिन शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती से इतर संबद्ध किया गया है, उनका संबद्धीकरण आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर मूल स्थान पर वापस भेजा जाए।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने दिवाली के दिन किया प्रयागराज जंक्शन एवं मंडल नियंत्रण कार्यालय का व्यापक निरीक्षण

दीवाली की शाम ड्यूटी पर तैनात रेल कर्मयोगियों को दी दीपावली की बधाई

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के लगभग 70,000 कर्मचारी लगातार दीपावली एवं छठ पर्व के मौके पर भी अपने सम्मानित यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों के कुशल संचालन, सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने हेतु अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे ने दिवाली एवं छठ महापर्व के अवसर पर विशेष ट्रेन सेवाओं की व्यवस्था की है, ताकि हर यात्री सुरक्षित, सहज और समय पर अपने गंतव्य तक पहुँच सके। साथ ही उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा हेतु प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त कोच, टिकट काउंटर, यात्री सहायता केंद्र एवं "डंल ᑭ भ्मसच ल्वन" बूथ स्थापित किए गए हैं, जहाँ यात्रियों को यात्रा संबंधी त्वरित जानकारी औरमार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, 139 हेल्पलाइन नंबर पर सहायता मांगे जाने पर यात्रियों को तत्काल टीटीई, मेडिकल किट या डॉक्टर की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है,ताकि त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त वार रूम के माध्यम से सभी छोटी-छोटी गतिविधियों पर नज़र रखते हुए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहाँ यात्रियों के बैठने, स्वच्छ पेयजल एवं उद्घोषणा प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है, जिससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ न हो और यात्री व्यवस्थित रूप से ट्रेन में सवार हो सकें। साथ ही, यात्री शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु नियंत्रण कार्यालयों में 'वॉर रूम' स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से परिचालन एवं निगरानी तंत्र के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। इन्ही कर्मयोगियों का उत्साहवर्धन करने एवं व्यस्त त्योहारी अवधि के दौरान परिचालन तैयारियों, यात्री सुविधाओं और कर्मचारी कल्याण का जायजा लेने के उद्देश्य से महाप्रबंधक द्वारा यह

निरीक्षण किया गया था।

महाप्रबंधक के निरीक्षण की शुरुआत प्रयागराज जंक्शन के महत्वपूर्ण परिचालन और सुरक्षा क्षेत्रों के गहन अवलोकन से हुई। स्टेशन पर आगमन के बाद, उन्होंने सर्वप्रथम क्रू लॉबी का दौरा किया, जहाँ उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद लोको पायलटों से बातचीत की और उनके समर्पण एवं प्रतिबद्धता की सराहना की। इसके बाद उन्होंने सुचारू और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन अधीक्षक (ˆ) कार्यालय, पीआरएस काउंटर, मुख्य टिकट निरीक्षक (ब्ज्) कार्यालय, आरपीएफ पोस्ट और सीसीटीवी रूम का निरीक्षण किया। इसी क्रम में श्री सिंह ने प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन के शौचालयों और प्लेटफॉर्म पर मौजूद वेटिंग रूमों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और सेवाओं तथा सुविधाओं की गुणवत्ता पर प्रतिक्रिया ली।

उन्होंने कैरिज एंड वैगन (ब्˘) कार्यालय का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने रखरखाव प्रोटोकॉल की समीक्षा की। उन्होंने प्रयागराज एक्सप्रेस की स्वच्छता की प्रशंसा की और ब्˘ कार्यालय के कर्मचारियों को ऐसे उच्च मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया।

महाप्रबंधक ने पर्व के दिन भी काम कर रहे स्टाफ के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए जंक्शन पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को अपनी दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात श्रेल कर्मयोगियों के समर्पण की प्रशंसा भी की।

स्टेशन निरीक्षण के बाद, महाप्रबंधक ने प्रयागराज मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने मंडल भर में ट्रेन संचालन का प्रबंधन कर रहे कर्मचारियों के कामकाज का बारीकी से अवलोकन किया। सद्भावना और कर्मचारियों की पहचान के प्रतीक के रूप में, श्री सिंह ने वहाँ भी कर्मचारियों को त्योहार के दौरान आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं।

श्री नरेश पाल सिंह ने इस बात पर बल दिया कि त्योहारों के मौसम में, जब यात्री यातायात में वृद्धि होती है, तो सुरक्षा, स्वच्छता और दक्षता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए यह निरीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यात्रियों और स्टाफ के साथ उनका सीधा जुड़ाव सेवा वितरण और कर्मचारी कल्याण में निरंतर सुधार के प्रति उत्तर मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फेडरेशन ऑफ मुजफ्फरनगर कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने मनाया दीपावली उत्सव

मुजफ्फरनगर। फेडरेशन ऑफ मुजफ्फरनगर कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा भव्य दीपावली उत्सव का आयोजन होटल सॉलिटेयर, मेरठ रोड पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे माननीय मंत्री कपिल देव अग्रवाल, फेडरेशन अध्यक्ष नीलकमल पुरी, राकेश बिंदल (बिंदल ग्रुप), भीमसेन कंसल (सिद्धबली ग्रुप), आकाश कुमार (एस.डी. ग्रुप), सतीश गोयल (टिहरी ग्रुप), पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं विकास स्वरूप द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अमित चौधरी (वसुंधरा रेजिडेंसी), सुनील गोयल (न्यूमैक्स), हरीश मित्तल (अंकुर फर्टिलाइज़र) तथा अक्षत जैन (अपोलो डायग्नोस्टिक्स) उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष नीलकमल पुरी द्वारा मोमेंटो भेंट कर किया गया। कार्यक्रम राजस्थानी थीम पर आधारित था, जिसमें राजस्थान के कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। ये कार्यक्रम उपस्थित परिजनों और सदस्यों को अत्यंत पसंद आए।

उत्सव में तंबोला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए। इनाम वीतराग, नेहा साड़ी, नंदी बेक स्टूडियो और अकिवा इंडस्ट्री, बॉडी स्टेशन द्वारा प्रदान किए गए। पंक्चुअलिटी अवार्ड लकी ड्रॉ अवार्ड,ऊंट की सवारी आदि आकर्षण रहे

फेडरेशन की परंपरा

अनुसार इस अवसर पर शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया कृ

कक्षा 10 में मुजफ्फरनगर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कुमारी अनु सिंह को स्व. नेकीराम गर्ग मेमोरियल पुरस्कार दिया गया। कुमारी दिव्यांशी यादव को स्व. आदीश कुमार जैन मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया।

कक्षा 12 में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभिषेक शर्मा को स्व. मोहन प्रकाश बंसल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष नीलकमल पुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीपावली सभी धर्मों द्वारा मनाया जाने वाला पर्व है, जो एकता, प्रेम और परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन परिवार इस पर्व को हर वर्ष सामूहिक रूप से परिवार के साथ मनाता है।

कार्यक्रम का संचालन फेडरेशन सचिव अभिषेक अग्रवाल ने किया तथा अतिथियों का स्वागत सह सचिव आशीष गर्ग द्वारा किया गया। कोषाध्यक्ष आशीष बंसल ने सभी प्रायोजकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इवेंट अध्यक्ष अंकुर गर्ग और अंकित संगल रहे, जबकि सागर वत्स एवं श्रेय गोयल ने कार्यक्रम का संयोजन किया। कार्यक्रम में नगर की जानी-मानी हस्तियाँ जैसे कृ पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, सागर वत्स, संजीव जैन (गर्ग डुप्लेक्स), सुधीर गोयल, नरेश शर्मा, रविंदर अरोड़ा, राधेश्याम शर्मा, रवि नंदन, नवनीत गोयल, एडवोकेट लोकेश तायल, एडवोकेट निपुण मित्तल, सत्य प्रकाश, रेशु, तुषार गुप्ता, एडवोकेट मोनू मित्तल, संजय मित्तल, अशोक मित्तल, अमित कुमार गर्ग एडवोकेट,सहित अनेक उद्यमी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

आर्ट कॉलेज के स्टूडेंट सजा रहे छठ घाट

लखनऊ, संवाददाता। छठ पूजा का त्योहार नजदीक आते ही लखनऊ में तैयारियां जोरों पर है। खासकर गोमती नदी के किनारे बने लक्ष्मण झूला मैदान में खूब रौनक दिख रही है। घाट को रोशनी, झालरों और रंग-बिरंगी सजावट खासकर मिथिला पेंटिंग से इस तरह सजाया जा रहा है कि पूरा इलाका चमक उठा है। दिन-रात सफाई और साज-सज्जा का काम चल रहा है, ताकि श्रद्धालु जब पूजा के लिए पहुंचें तो पूरा माहौल भक्ति और खूबसूरती से भरा हो। इस बार घाट को सजाने की जिम्मेदारी आर्ट कॉलेज के छात्रों को दी गई है। कॉलेज के छात्र अपनी कला से घाट को निखार रहे हैं। छात्र नीरज बिंद ने बताया, "प्रशासन की ओर से हमें घाट सजाने का काम मिला है। हम लोग मिलकर पूरे मैदान को रंग, झालर और लाइटों से सजा रहे हैं, ताकि छठ पूजा पर आने वाले लोगों को खूबसूरत नजारा दिखे।" छात्रों की टीम पेड़ों पर लाइटें लटकाने, नदी किनारे झालरें लगाने और पंडालों की रंगाई-पुताई में जुटी है। घाट और उसके आसपास की सफाई का काम लगातार चल रहा है। नगर निगम की टीमें मैदान में झाड़ू लगा रही हैं, कचरा उठाया जा रहा है और गंदगी हटाई जा रही है। बिजली विभाग की टीमें लाइटें लगाने और तारों की जांच में जुटी हैं। पुल के नीचे झालरें लगाई जा रही हैं, घाट की रेलिंगों की मरम्मत हो रही है, ताकि कोई दुर्घटना न हो। रात के समय पूरे मैदान में बिजली की लाइटों से उजाला रहेगा ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

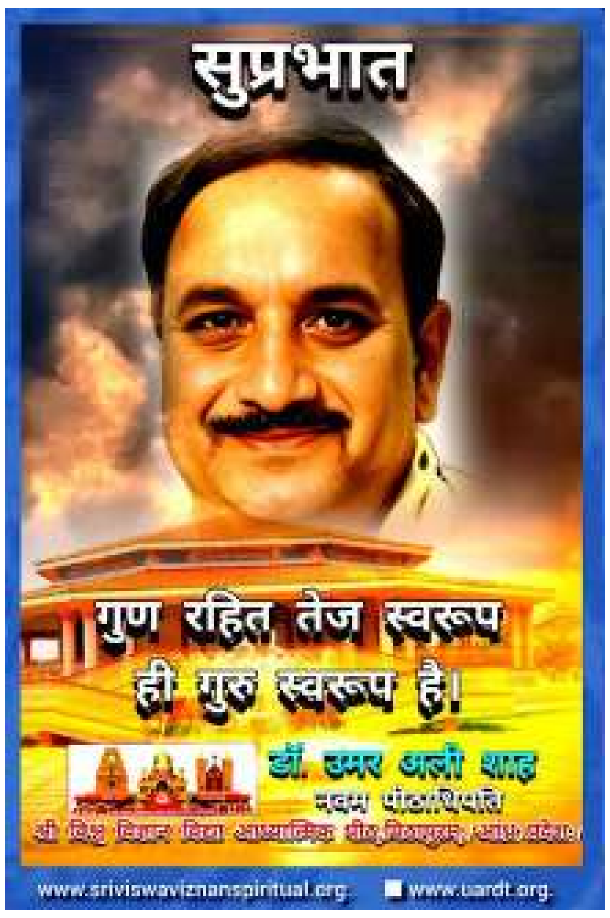

बारिश होती एक सी

(कुण्डलिया)

बारिश होती एक-सी, अलग-अलग हैं देश।
टप टप करती सब जगह, कभी न करती क्लेश।
कभी न करती क्लेश, प्यास वह सबका हरती।
नदी पोखरा ताल, सभी में जीवन भरती।
सबसे करें प्रदीप,मात्र बस यही गुज़ारिश।
जीवन का हर रंग, दिखाती है यह बारिश।।

किस्मत की ही बात है,आफत आयी गाढ़।
दिखते हैं कोई नहीं, उतर गई जब बाढ़।
उतर गई जब बाढ़, दिखा तब घर का मंजर।
सड़ा हुआ आनाज, दिवारें जर्जर जर्जर।
सुन लो कहें प्रदीप,जिन्हें था सबसे निस्बत।
उनको मिला प्रकाश, न रूठी उनकी किस्मत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बीजेपी नेता की पार्टी सदस्यता रद्द

लखनऊ, संवाददाता। मेरठ में सड़क पर युवक से नाक रगड़वाने के मामले में बीजेपी ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने आरोपी नेता विकुल चपराना की सदस्यता रद्द कर दी है। विकुल चपराना मेरठ बीजेपी किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष थे।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें विकुल चपराना एक युवक से सड़क पर नाक रगड़वा रहे थे, जबकि मौके पर मौजूद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे और मामले ने तूल पकड़ लिया। विवाद गाड़ी निकालने को लेकर हुआ था। आरोप है कि झगड़े के दौरान विकुल चपराना ने शराब के नशे में दो युवकों के साथ मारपीट की और उन्हें अपमानित किया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी नेता को गिरफ्तार कर लिया।राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। योगी सरकार में कोई भी गलत काम करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।सोमेंद्र तोमर ने स्पष्ट किया कि इस विवाद से उनका कोई संबंध नहीं है। विकुल चपराना उनकी विधानसभा के रहने वाले हैं और पार्टी के कार्यकर्ता हैं, लेकिन कानून अपना काम करेगा।

बदला रामलला के दर्शन और आरती का समय

लखनऊ, संवाददाता। शीत ऋतु आगमन के साथ ही रामलला के दर्शन के समय में गुरुवार से बदलाव कर दिया गया है। अब श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह सात बजे से रामलला के दर्शन होंगे। मंदिर में दर्शन रात नौ बजे तक जारी रहेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे।ट्रस्ट के तरफ से रामलला के दर्शन की नई समय सारिणी जारी की गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि अब शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह चार बजे होती थी, अब 4.30 बजे होगी।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या 01663/01664 रानी कमलापति-दानापुर (साप्ताहिक) एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01663 रानी कमलापति-दानापुर			गाड़ी सं. 01664 दानापुर-रानी कमलापति	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	14:25	रानी कमलापति	08:55	—
00:18	00:20	मानिकपुर	23:08	23:10
02:10	02:15	प्रयागराज छिवकी	20:30	20:35
03:45	03:47	मिर्ज़ापुर	18:13	18:15
08:45	—	दानापुर	—	11:00

- गाड़ी सं. 01663: रानी कमलापति से दिनांक 24.10.2025 (शुक्रवार)
- गाड़ी सं. 01664: दानापुर से दिनांक 25.10.2025 (शनिवार)
- गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-09, चेयर कार-07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, वातानुकूलित चेयर कार-01, स्लीपर श्रेणी-03

गाड़ी संख्या 01479/01480 पुणे-दानापुर (अनारक्षित) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01479 पुणे-दानापुर			गाड़ी सं. 01480 दानापुर-पुणे	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	19:55	पुणे	17:35	—
21:10	21:12	मानिकपुर	17:00	17:02
00:30	00:35	प्रयागराज छिवकी	14:20	14:25
07:30	—	दानापुर	—	08:30

- गाड़ी सं. 01479: पुणे से दिनांक 23.10.2025
- गाड़ी सं. 01480: दानापुर से दिनांक 25.10.2025

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1972/25(D)

सम्पादकीय.......

जीवन बचाने की पहल

देश में यदि अंगदान हेतु जागरूकता व प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाई जाए तो हर साल हम लाखों जिंदगियां बचा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि देश में इसके लिये सरकार व समाज के स्तर पर गंभीर पहल अब तक नहीं की गई। वहीं कई अंधविश्वास और धार्मिक रूढ़िवादिता के चलते लोग अपने परिजनों के निधन पर अंगदान करने से परहेज करते हैं। विडंबना यह है कि देश में दशकों से इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद आज दस लाख लोगों पर सिर्फ 0.9 अंगदाता हैं, जबकि एक छोटे से देश स्पेन का उदाहरण लें तो वहां यह दर तीस से ज्यादा है। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह जरूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन–स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी। यह एक जरूरी कदम है क्योंकि समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं। निस्संदेह, सरकारी निर्देश ही समस्या का समाधान नहीं है। कई अस्पतालों, खासकर छोटे शहरों में, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों, प्रशिक्षित आईसीयू कर्मचारियों और यहां तक कि अंगों के संरक्षण और परिवहन के लिये बुनियादी ढांचे का भी नितांत अभाव होता है। इस दिशा में गंभीर पहल न हो पाने के कारण अंग प्रत्यारोपण के मामले में निजी क्षेत्र के अस्पताल ही अभी आगे हैं, जबकि सरकारी अस्पताल इस दिशा में पिछड़ गए हैं। सरकारी अस्पतालों में अंगदान करने के लिये शोकसंतप्त परिवारों को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, संसाधन जुटाने तथा प्रोत्साहन के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने की जरूरत है। जब वित्तीय मदद और अन्य सुविधाएं नहीं होंगी, तब सरकारी निर्देश भी इस दिशा में निष्प्रभावी रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण इस दिशा में लोगों का विश्वास अर्जित करना है। उन्हें बताना होगा कि मृत देह का यदि किसी को जीवन देने के रूप में उपयोग हो पाए तो वह ऋषिकर्म जैसा होगा। फिर खो चुके परिजन के अंग को भी वे इस कार्य से किसी अन्य शरीर में जीवंत रूप में देख सकेंगे। निस्संदेह, यह एक पुण्य का कार्य है जो मृतक परिजन की आत्मा को भी शांति देगा। विडंबना यह है कि भारत में आज भी अंगदान के विचार के साथ कई तरह के मिथक, भय और गलत जानकारियां जुड़ी हैं, जिसके चलते मृत व्यक्ति के परिजन अंगदान की पहल से गुरेज करते हैं। हमें इस दिशा में प्रगतिशील सोच के साथ जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। हमें सतही अनुष्ठानों से आगे बढ़कर मानव कल्याण के लिये आगे आना चाहिए। इस अभियान को हमें एक सहानुभूतिपूर्ण प्रचार–प्रसार के जरिए आगे बढ़ाना होगा। लोगों को बताना होगा कि यह सिर्फ दान ही नहीं, मानवता के प्रति करुणा का भाव जगाना भी है। निस्संदेह, सरकार की पहल और निर्देश एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास के रूप में विकसित करना जरूरी होगाकृएक ऐसा प्रयास जो इस नीति को सहानुभूति व अंगदान को मानवता के कार्य से जोड़ सके। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से ही मृत्यु के बाद किसी को जीवन देने हेतु अंगदान का संकल्प एक सरकारी निर्देश के बजाय एक वास्तविक हकीकत बन पाएगा।

कभी-कभी हार न मानना ही उपदेश बन जाता है

डॉ. दीपक पाचपोर

हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लोगों को आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक बार असफल हो जाओ और तुम्हें नकार दिया जाता है। किसी कमजोरी से जूझो और तुम्हें निराशाजनक करार दे दिया जाता है।

कुछ साल पहले, मेरा एक करीबी दोस्त शराब की लत में बुरी तरह फंस गया था। एक होनहार, काबिल नौजवान को शराब की लत में गिरते देखना दिल दहला देने वाला था। एक रात वह अपनी कार लेकर, पूरी तरह नशे में, लोनावला (मुम्बई) तक चला गया। मैं उसे बार–बार फोन करता रहा, उससे रुकने, वापस मुडने और किसी सुरक्षित जगह पर गाड़ी रोकने की विनती करता रहा। उसने मेरे ज्यादातर फोन का जवाब नहीं दिया। आखिरकार जब उसने फोन उठाया तो उसकी आवाज लडखड़ा रही थी और वह गुस्से में था। मुझे लगा कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कर रहा है। महीनों बाद, जब वह किसी तरह शराब पीना छोड़ पाया तो वह मुझसे कॉफी हाऊस पर मिला और कुछ ऐसा कहा जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। उसने कहा, ''बॉब, तुम्हें याद है वह रात जब मैं नशे में गाड़ी चला रहा था और तुम मुझे बार–बार फोन कर रहे थे। तुम्हें लगा था कि मैं तुम्हें सुन नहीं पा रहा हूं लेकिन मैं सुन रहा था और उस धुंध में, एक ही बात मेरे दिमाग से नहीं निकल रही थी, कि क्या मैं इतना काबिल हूं कि बॉब मुझे फोन करता रहे? क्योंकि यही वह वक्त था जब मैं खुद को सबसे ज्यादा नाकाबिल महसूस कर रहा था। मैं पीना बंद नहीं कर पा रहा था। मैंने सबको निराश किया था, खुद को भी। लेकिन तुम्हारे फोन मुझे कुछ और बता रहे थे कि कोई अब भी मुझे बचाने लायक समझता है।'' मैं काफी देर तक चुप रहा। उसके शब्दों ने मुझे बरसों में सुनी किसी भी बात से ज्यादा गहरा धक्का पहुंचाया। हम अक्सर सोचते हैं कि लोगों को उपदेश देने, उन्हें डांटने या उन्हें लंबा–चौड़ा उपदेश देने से वे वापस आ जाएंगे। लेकिन कभी–कभी, बस हार न मानने का काम ही उपदेश बन जाता है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लोगों को आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक बार असफल हो जाओ और तुम्हें नकार दिया जाता है। किसी कमजोरी से जूझो और तुम्हें निराशाजनक करार दे दिया जाता है। अपना रास्ता भटक जाओ और अचानक हर कोई यह दिखावा करने लगता है कि वे तुम्हें जानते ही नहीं थे। हम इसे व्यावहारिक होना कहते हैं। लेकिन असल में इससे यही पता चलता है कि हम भूल गए हैं कि अनुग्रह कैसे काम करता है। मेरा दोस्त इसलिए संयम में नहीं लौटा क्योंकि किसी ने उसे पाप के बारे में उपदेश दिया था। वह कई कारणों से लौटा लेकिन उनमें से एक यह था कि किसी को विश्वास था कि वह अभी भी योग्य है। उस विश्वास ने उसके अंदर एक

ङ्क्षचगारी जलाई जब उसके अंदर खुद की कोई रोशनी नहीं बची थी। इस समय हमारे आस–पास ऐसे लोग हैं जो चुपचाप अपने ही राक्षसों से लड़ रहे हैं। जैसे नशे की लत, अवसाद, असफलता और शर्म। आपको शायद पता न हो लेकिन आपका धैर्य, आपका फोन कॉल, उनका साथ न छोडना ही शायद उन्हें बचा सकता है। जब हम किसी को उसके सबसे बुरे समय में देखते हैं और फिर भी उसे प्यार के लायक समझते हैं तो हम वही दोहराते हैं जो परमेश्वर हर दिन हमारे साथ करता है। वह पुकारना कभी बंद नहीं करता। जब हम पूरी गति से गलत दिशा में गाड़ी चला रहे होते हैं, तब भी वह फोन करता रहता है, फुसफुसाता रहता है और कहता है, 'तुम अब भी मेरे हो।' तो अगली बार जब कोई आपको निराश करे तो जल्दी से वहां से न जाएं। यह न सोचें कि उनकी मदद नहीं की जा सकती। याद रखें कि आपकी दृढ़ता एक दिन उन्हें यह कहने पर मजबूर कर सकती है, ''क्या मैं सचमुच इतना योग्य हूं''। और हो सकता है कि आंसुओं और जागृति के माध्यम से पूछा गया यह प्रश्न, उनके घर वापसी के सफर की शुरूआत हो!

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, "मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो।" वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।'' गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया

है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं। देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैंकृ पहला, यह कि वह "आश्वासन" का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, "काफी कम" तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों। दूसरी ओर, भारत ने बार–बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति "राष्ट्रीय हित" से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता। वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में "सुपर डीलमेकर" की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को "एक बड़ी डील" के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर "अमेरिका फर्स्ट" नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम हैकृ क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है। उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैंकृ क्वॉड, इंडो–पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार–बार ऐसे "फर्ज़ी या अधूरे" दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर "नो कमेंट" नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे–धीरे "स्वीकार्य धारणा" बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते। अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को "घरेलू प्रचार" का हथियार बना देता है? देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकताकृ लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को "सहभागी" की तरह प्रस्तुत करे, "उपसंहारक" की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को "औपचारिक संवाद" के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़–मरोड़ सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म–केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को "शो" में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के "दीपावली डिप्लोमेसी" में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके "फर्जी तेल–सत्य" के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी "ट्रंप टेलीफोन कॉल" से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है–संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं–सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग–निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे। अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि–उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी–डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी–"सहकार से समृद्धि"। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून–व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा–"गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।" उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू–कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है–यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था–"कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब

तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल–इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती–हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है–वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं। अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों–बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी।

`अपनी पहली दिवाली रिलीज थामा के साथ सबसे बड़ी ओपनिंग देना अविश्वसनीय अहसास' : आयुष्मान खुराना

> आयुष्मान कहते हैं,"मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए लोगों को थामा और मेरे परफॉर्मेंस को इतने प्यार से एंजॉय करते देखना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। जब मेरे दूरदर्शी निर्माता दिनेश विजन ने बताया कि थामा दिवाली पर रिलीज होगी, तो मैं रोमांचित हो गया था। यह हमेशा मेरा सपना रहा है कि कभी मेरी भी दिवाली रिलीज हो।"

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे भारतीय सिनेमा के मास्टर ऑफ यूनिकनेस हैं। अपनी पहली दिवाली रिलीज– दिनेश विजन की थम्मा (मैड्डॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स एमएचसीयू का हिस्सा) के साथ आयुष्मान ने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है, 25.11 करोड़ (नेट) की शानदार शुरुआत के साथ! इस भव्य ओपनिंग के साथ, आयुष्मान ने एमएचसीयू की ऑरिजिन स्टोरीज (जैसे स्त्री, भेड़िया और मुंजा) में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दी है, जिससे थम्मा फ्रेंचाइज की नींव और मजबूत हो गई है। आयुष्मान कहते हैं,"मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए लोगों को थामा और मेरे परफॉर्मेंस को इतने प्यार से एंजॉय करते देखना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। जब मेरे दूरदर्शी निर्माता दिनेश विजन ने बताया कि थामा दिवाली पर रिलीज होगी, तो मैं रोमांचित हो गया था। यह हमेशा मेरा सपना रहा है कि कभी मेरी भी दिवाली रिलीज हो।" वे आगे कहते हैं,"अपनी यूनिक और क्वर्की फिल्मों से मैंने एक अलग पहचान बनाई है। मैं लंबे समय से उस मौके का इंतजार कर रहा था जब मेरी तरह की फिल्म दिवाली पर रिलीज हो सके वह त्योहार, जिस पर हमेशा सबसे बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्मों को रिलीज करते आए हैं। थामा मेरे करियर की टेंटपोल फिल्म है, और इसे दिवाली पर रिलीज करने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बचपन में मैं परिवार के साथ थिएटर में सुपरस्टार्स की फिल्में देखने जाता था, आज मैं अपने परिवार के साथ अपनी ही फिल्म देखने गया कृ यह अहसास अविश्वसनीय है!" पहली बार, एक ऐसे स्टार ने, जो अपनी क्वर्की और यूनिक फिल्मों के लिए जाना जाता है, दिवाली पर बॉक्स ऑफिस के सारे अनुमान तोड़ दिए हैं, यह साबित करते हुए कि बेहतरीन कंटेंट और आयुष्मान की मौजूदगी एक विजयी कॉम्बिनेशन है। आयुष्मान कहते हैं,"यह मेरे हिंदी सिनेमा के सफर की एक बड़ी वैलिडेशन है। मैं दिनेश विजन का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका दिया जिसका कोई रेफरेंस नहीं था कृ एक भारतीय 'बेताल'। दर्शकों को इस किरदार के साथ पूरी तरह जुड़ते देखना और थिएटर में उनकी खुशी देखना, एक पागलपन भरा और खूबसूरत अनुभव है।" अब आयुष्मान अपने करियर का सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड देने की ओर अग्रसर हैं, और मैड्डॉक फिल्म्स को एक ऐसा किरदार दे रहे हैं जो दर्शकों का नया फेवरेट बन चुका है और डभ्ब्न की यात्रा को आगे बढ़ाएगा। क्वर्की और अनोखी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो आयुष्मान का स्ट्राइक रेट शानदार है कृ उनकी करीब 90: हटके फिल्में हिट या ब्लॉकबस्टर रही हैं। इसी वजह से निर्माता उन पर भरोसा करते हैं कि वे अलग विषयों पर आधारित फिल्मों को भी बड़े पैमाने पर सफल बना सकते हैं। आयुष्मान कहते हैं,"पहले दिन का जो प्यार मुझे और फिल्म को मिला है, उसने यह मिथक तोड़ दिया है कि लोग केवल सीक्वल, रीमेक या बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में ही दिवाली पर देखना चाहते हैं। थामा की सफलता यह दिखाती है कि दर्शक आज भी अच्छी कहानियों को सराहते हैं।"वे आगे जोड़ते हैं,"दर्शक अपने बच्चों और परिवार के साथ मेरी फिल्म देखने थिएटर आ रहे हैं। हर अभिनेता चाहता है कि उसकी फिल्म दिवाली जैसे बड़े मौके पर रिलीज हो और दर्शकों से इतना प्यार पाए। थम्मा के साथ यह अनुभव जी पाना मेरे लिए बेहद भावनात्मक और यादगार है।"

प्रभास के बर्थडे पर माइथ्री मूवी मेकर्स ने लाया बड़ा गिफ्ट

डिजिटल। टाइटल टीजर पोस्टर में प्रभास का अब तक का सबसे अलग अवतार दिखाया गया है। 'सीता रामम' फेम डायरेक्टर हनु राघवपुडी इस प्रोजेक्ट में अपनी खास विजन लेकर आ रहे हैं, जो फिल्म को एक अलग पहचान देने वाला है। प्रभासहन इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतेजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक रही है। इसकी घोषणा के बाद से ही दर्शकों में खूब उत्सुकता देखने मिल रही है। ऐसे में उत्साह तब और बढ़ गया जब पुष्पा फ्रेंचाइजी के पीछे की ताकत माइथ्री मूवी मेकर्स ने ब्लॉकबस्टर फिल्म सीता रामम के डायरेक्टर हनु राघवपुडी संग हाथ मिला रही है, इस ग्रैंड प्रोजेक्ट में पैन–इंडिया सुपरस्टार प्रभास लीड रोल में हैं। प्रभास के फैंस के लिए उनके जन्मदिन से पहले एक खास तोहफे के तौर पर, मेकर्स ने मच अवेटड टाइटल टीजर रिलीज किया है। रोमांचक और शानदार इस टीजर में सिर्फ प्रभास के जूतों में पैर और लंबे कोट में दिख रहे हैं, पीछे पुराना सेट है, जो उत्सुकता बढ़ाता है और साथ ही एक शानदार सिनेमाई अनुभव का अहसास कराता है।टाइटल टीजर पोस्टर के साथ मेकर्स ने यह भी बताया कि कल एक बड़ा खुलासा किया जाएगा। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टाइटल पोस्टर खास तोहफे के रूप में रिलीज किया जाएगा। माइथ्री मूवी मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, "पाण्डवपक्षे संस्थित कर्णः। प्रभासहन टाइटल पोस्टर – कल सुबह 11 बजे" हनु राघवपुडी भारतीय सिनेमा के सबसे सराहे गए निर्देशकों में से एक हैं, जिन्होंने सीता रामम और पडी पडी लेचे मानसु जैसी दिल छू लेने वाली फिल्में दी हैं। उनके साथ जुड़ रहे हैं प्रभास, एक सच्चे पैन–इंडिया सुपरस्टार, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। प्रभासहन में बॉलीवुड स्टार्स जैसे मिथुन चक्रवर्ती, जयाप्रदा और अनुपम खेर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। इतने बड़े कलाकारों के एक साथ आने से यह फिल्म एक ग्रैंड, बिग बजट फिल्म बनने जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, जिससे दर्शकों में इस शानदार सिनेमाई प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। माइथ्री मूवी मेकर्स, जो देश के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक है और पुष्पा फ्रेंचाइजी, उप्पेना, डियर कॉमरेड जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रह चुकी है, और अब वो इस फिल्म का निर्माण कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कंपनी फिल्म के शानदार विजुअल्स और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव के लिए बड़ा निवेश कर रही है, जिससे यह अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक बनने जा रहा है।

ट्रेलर लॉन्च के वादे के साथ वेवबैंड प्रोडक्शन ने किया `मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर रिलीज

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'मस्ती' चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है! इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन जवेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस पोस्टर ने आते ही ओरिजिनल मस्ती की यादें ताजा कर दी हैं, जो बेशुमार रंगों के साथ ढेर सारी अफरातफरी, मस्ती और शरारतों से भरपूर थी! सिर्फ यही नहीं ओजी तिकड़ी यानी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी, एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के रूप में लौट रहे हैं, और श्मस्ती 4श के साथ दर्शकों को जोरदार हंसी और मनोरंजन से भरी एक रोलरकोस्टर राइड देने का वादा कर रहे हैं। भव्य पैमाने पर बनी इस फिल्म में बड़े–से–बड़े कॉमेडी एलिमेंट्स, विदेशी और आंखों को सुकून देने वाले लोकेशन हैं। चार गुना ज्यादा एंटरटेनमेंट के साथ कानों में बस जानेवाले धुन और हँसी–ठहाकों से भरपूर मस्ती 4 ऐसा हास्य पेश करेगी, जो आज के दर्शकों के लिए बॉलीवुड कॉमेडी को नए सिरे से परिभाषित करेगी।

दिवाली पर वरुण धवन ने शेयर की बेटी की प्यारी सी झलक, घर के मंदिर में पापा संग पूजा करती दिखीं नन्हीं लारा

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हर साल की तरह इस बार भी दिवाली खूब धूमधाम से मनाई गई, जिसकी तस्वीरें सेलेब्स अपने–अपने सोशल मीडिया पोस्ट में शेयर करते नजर आए। कपल्स अपने–अपने बच्चों के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर करते दिखे। इसी बीच एक्टर वरुण धवन ने भी अपनी बेटी लारा धवन के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की, जो इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गईं। वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखारूष्आपको दिवाली की ढेर सारी शुभकामनाएं। इस तस्वीर में वरुण अपनी बेटी को भगवान की मूर्तियों के सामने खड़ा कर पूजा सिखाते हुए नजर आए। लारा को हाथ का सहारा देते हुए वरुण ने उन्हें दिवाली की परंपरागत पूजा की शिक्षा दी। हालांकि, फैंस की उत्सुकता के बावजूद, वरुण ने अपनी बेटी का चेहरा इस बार भी नहीं दिखाया। फोटो पीछे से ली गई थी, जिससे सिर्फ उनके पीछे की झलक और हाथ पकड़ते हुए दिखाई दे रहा है। मालूम हो,यह पहली बार नहीं है जब वरुण ने अपनी बेटी के साथ फोटो शेयर की हो। क्रिसमस पर भी उन्होंने लारा के साथ तस्वीर शेयर की थी, लेकिन तब भी उन्होंने बेटी का चेहरा सामने नहीं लाया था। वरुण अपने पर्सनल और फैमिली मोमेंट्स को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं।

थक गई हूं, अपूर्वा मुखीजां ने छोड़ी डिजिटल दुनिया, अब करेंगी कुछ नया ?

डिजिटल कंटेंट क्रिएटर अपूर्वा मुखीजा ने कंटेंट क्रिएशन के तेजी से बढ़ते व्यावसायीकरण की कड़ी आलोचना की है और इस फील्ड से दूर होने का इशारा दिया है। श्द इंडियन एक्सप्रेसश को दिए एक इंटरव्यू में, मुखीजा ने ऑनलाइन दुनिया को श्एक सर्कसश बताया, जहां मीडिया अच्छी योग्यता के बजाय ज्यादा क्लिक्स के लिए उनका पीछा करते हैं। उन्होंने अपनी थकान जाहिर की और कहा कि वह किसी और चीज पर काम कर रही हैं। कंटेंट क्रिएशन के एक कारोबार में बदल जाने पर अपनी गहरी निराशा जाहिर करते हुए, अपूर्वा मुखीजा ने सवाल किया, श्हम सभी ने इसे मजे के लिए शुरू किया था, और अब लोग इसे एक इंडस्ट्री कहते हैं। यह तो बस कैमरे से बात करने की बात थी, यह इतना गंभीर कैसे हो गया?श उन्होंने प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष करने, इवेंट्स में शामिल होने, फ़ोटो खिंचवाने और नेटवर्क बनाए रखने के दबाव को सामने रखा। मुखीजा ने कहा, श्मुझे नहीं पता कि किसने इस फील्ड का इतना व्यावसायीकरण कर दिया। मैंने इसे कभी इतनी गंभीरता से नहीं लिया। मैं तो बस एक लड़की हूं जो कैमरे से बात करना चाहती है; यह सच में इतना गहरा नहीं है।

कंटेंट क्रिएशन से ब्रेक लेने की योजना

लगातार कंटेंट क्रिएशन की मांगों से अपनी थकान को स्पष्ट करते हुए, क्रिएटर ने संन्यास लेने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, श्मैं कंटेंट क्रिएशन से संन्यास लेना चाहती हूं। मैं यह काम बहुत लंबे समय से कर रही हूं, इसलिए मैं कुछ और करना चाहती हूं। मैं किसी और चीज पर काम कर रही हूं। अगर यह अच्छा रहा, तो ठीक है, अगर नहीं, तो मैं हमेशा कंटेंट ही बना रही हूं।श

हालिया विवाद बना वजह?

यह घोषणा अपूर्वा की हाल ही में पब्लिक में लगातार हो रही जांच के बीच आई है। इस साल की शुरुआत में, समय रैना के शो श्इंडिया गॉट लेटेंटश के एक एपिसोड के दौरान की गई टिप्पणियों को लेकर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, जिसने राष्ट्रीय महिला आयोग का भी ध्यान खींचा था।

अपूर्वा मुखीजा का करियर

अपूर्वा मुखीजा ने सबसे पहले एक डिजिटल क्रिएटर के रूप में शोहरत पाई, और सोशल मीडिया पर अपने बेबाक हास्य के जरिए एक मजबूत प्रशंसक वर्ग बनाया। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उनकी लोकप्रियता ने उनके लिए मनोरंजन इंडस्ट्री के द्वार खोल दिए। अपूर्वा ने रियलिटी शो श्द ट्रेटर्स इंडियाश से टेलीविजन पर शुरुआत की। करण जौहर द्वारा होस्ट किया जाने वाला यह शो पिछले साल 12 जून को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर हुआ था।

शाम की चाय के साथ केला और रोटी की पकौड़े का उठाएं लुत्फ, बच्चे भी हो जाएंगे खुश

अक्सर हमारे घरों आलू, प्याज या बैंगन के पकोड़े बनाए जाते हैं। खासकर बारिश के मौसम में हम सभी पकोड़े खाना पसंद करते हैं। लेकिन रोजाना एक ही तरह के पकोड़े खाना बोरियत भरा हो सकता है। इसलिए बच्चे हमेशा कुछ अलग बनान के लिए कहते रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चों की फरमाइश पर कुछ अलग बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ आसान तरह के पकोड़े की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो रोटी और केले से तैयार किए जाएंगे। इन पकोड़ों को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामग्री

केले– 2–3

हरा धनिया– 1 बड़ा चम्मच

नमक– स्वादानुसार

चिली फ्लेक्स– 1 चम्मच

लाल मिर्च पाउडर– आधा छोटा चम्मच

हरी मिर्च– 1 चम्मच बारीक कटी

बेसन– 2 बड़े चम्मच

अजवाइन– 1/4 छोटा चम्मच

जीरा– आधा छोटा चम्मच

हल्दी पाउडर– चुटकी भर

तेल– तलने के लिए

पानी– 1 कप

रोटी पकोड़ा बनाने की विधि

रोटी पकोड़ा बनाने के लिए सबसे पहले रात की बची रोटियां और थोड़े कच्चे केले ले लें। अब 2–3 केले को उबालकर उन्हें छील लें और फिर बाउल में मैश करके रख लें। इसके बाद इसमें 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हरा धनिया डाल दें। अब इसमें स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हरी मिर्च और चिली फ्लेक्स अच्छे से मिक्स करें। अब बेसन का घोल तैयार करें और उसमें 2 बड़े चम्मच बेसन डालकर इसमें आधा छोटा जीरा, चिली फ्लेक्स, 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन, नमक, बारीक कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर मिलाएं। इसके बाद पानी डालकर घोल बना लें। अंत में चुटरी भर बेकिंग सोडा डालें और अच्छे से मिला लें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि यह घोल ज्यादा गाढ़ा या पतला न हो। इस घोल में मैश किए हुए केले अच्छे से मिला लें। फिर रोटी के 4 से 6 टुकड़े कर लें। अब कड़ाही में तलने के लिए तेल गर्म कर लें और केले व रोटी के टुकड़ को बेसन के घोल में डुबोकर कड़ाही में तलने के लिए डाल लें। फिर इनको सुनहरा ब्राउन होने तक तलें और फिर प्लेट में गर्मागर्म निकालें। इसको हरी धनिया की चटनी के साथ सर्व करें।

बात-बात पर क्यों डर जाते हैं बच्चे ? यह हैं फोबिया के लक्षण और बचाव के तरीके

सभी बच्चों का अपना– अपना स्वभाव होता है। कुछ बच्चों को किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता वहीं कई ऐसे भी होते हैं जो छोटी सी बात पर भी डर जाते हैं। यह उनके विकास का एक सामान्य हिस्सा है। ऐसे में धैर्य, समझ और आश्वासन के शब्दों के साथ, आप अपने बच्चे को उनके डर पर काबू पाने में मदद कर सकते हैं।

पहले समझिए बच्चों में डर पैदा होने के कारण और क्या है इसका बचाव

डर का कारण

छोटे बच्चों में डर का विकास एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका कारण विभिन्न कारक हो सकते हैं, जैसेरू

नई और अनजान स्थितियां: बच्चे नई चीजों और परिवेश से डरते हैं क्योंकि उनके लिए यह सब अनजान होता है।

अचानक तेज आवाज: बच्चों को अचानक जोर से आवाज, जैसे धमाका, तेज आवाज वाली म्यूजिक, या बिजली की कड़क से डर लग सकता है।

अकेलेपन का डर: बच्चे अपने माता–पिता से अलग होने पर घबराहट महसूस कर सकते हैं, जो एक प्रमुख कारण होता है।

अंधेरे का डर: अंधेरे में कुछ देखने या समझने में कठिनाई के कारण बच्चे डर सकते हैं।

कल्पनाएं और कहानियां: बच्चे अपनी कल्पनाओं में भूत–प्रेत या काल्पनिक पात्रों से डरने लगते हैं।

बच्चों में डर के लक्षण

बच्चों में डर के कुछ सामान्य लक्षण होते हैं, जिनमें शामिल हैं

रात को जागना और डरना: बच्चे अक्सर नींद में अचानक जाग जाते हैं और किसी डरावनी चीज की शिकायत करते हैं।

माता–पिता के पास चिपकना: बच्चे डर की वजह से माता–पिता के पास रहना चाहते हैं और उनसे दूर जाने में घबराते हैं।

शारीरिक लक्षण: डर के कारण बच्चों में पसीना आना, दिल की धड़कन तेज होना, हकलाना या कांपना देखा जा सकता है।

खेलने या बाहर जाने में हिचकिचाहट: बच्चा नई जगहों पर जाने या खेल के दौरान दूसरों के साथ जुड़ने से डर सकता है।

अचानक चिड़चिड़ापन या रोना: किसी विशेष परिस्थिति में बच्चा बार–बार रो सकता है या चिड़चिड़ा हो सकता है।

बच्चे के अंदर को डर को कैसे खत्म करें?

समझ और धैर्य: माता–पिता को बच्चे के डर को समझने के लिए संवेदनशील और धैर्यशील होना चाहिए। उनका डर सामान्य होता है और उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सुरक्षा का एहसास कराना: बच्चे को यह विश्वास दिलाना कि वह सुरक्षित है, उसके डर को कम कर सकता है। उसे गले लगाना, पास बैठना, और बात करना सहायक हो सकता है।

खेल के माध्यम से समाधान: बच्चे को खेल–खेल में डर की स्थिति को समझाना और उसे एक सामान्य घटना के रूप में दिखाना।

डर का सामना करना: बच्चे को धीरे–धीरे उसके डर का सामना कराना, जैसे अगर उसे अंधेरे से डर है तो कमरे की लाइट धीरे–धीरे बंद करना और उसे समझाना कि कुछ भी डरावना नहीं है।

कहानी सुनाना: डर को दूर करने के लिए सकारात्मक कहानियाँ और उदाहरण सुनाना, जिससे बच्चे के मन से नकारात्मकता हटाई जा सके।

नियमित दिनचर्या: बच्चे की दिनचर्या को सुसंगत रखना ताकि वह सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस कर सके।

नोट: यदि किसी बच्चे का डर लंबे समय तक बना रहता है या बहुत गंभीर होता है, तो एक बाल मनोचिकित्सक से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

क्या पीठ दर्द स्पाइन कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है? जानें कारण

पीठ दर्द एक आम समस्या है, जिसका अनुभव लोग अपने जीवन में कभी न कभी करते हैं। ज्यादातर मामलों में, यह दर्द मांसपेशियों की समस्याओं से संबंधित होता है, जैसे ज्यादा भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक स्थिति में बैठना। लेकिन यह पहचानना जरूरी है कि लगातार या असामान्य पीठ दर्द कभी–कभी स्पाइन कैंसर का संकेत भी हो सकता है। यह विशेषकर तब सही है जब दर्द की प्रकृति बदलने लगे या अन्य लक्षणों के साथ आए।

स्पाइन कैंसर क्या है?

स्पाइन कैंसर में रीढ़ की हड्डी और उसके आस–पास के टिश्यू में ट्यूमर बनते हैं। इसे मुख्यतः दो प्रकारों में विभाजित किया जाता है। प्राथमिक और द्वितीयक। प्राथमिक स्पाइन कैंसर उन टिश्यू से उत्पन्न होता है जो रीढ़ की हड्डी को बनाते हैं, जबकि द्वितीयक स्पाइन कैंसर तब होता है जब कैंसर शरीर के अन्य अंगों से फैलता है, जैसे कि फेफड़े या स्तन। स्पाइन कैंसर का कमर से ऊपर होना आम है और यह अक्सर गंभीर बीमारी का संकेत होता है।

स्पाइन कैंसर के शुरुआती संकेत

स्पाइन कैंसर के लक्षण धीरे–धीरे शुरू होते हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं

1. पीठ में दर्द जो अचानक बढ़ सकता है
2. आराम करने पर भी राहत न मिलना
3. रात के समय दर्द का बढ़ना
4. पीठ के निचले हिस्से में झटके जैसा दर्द
5. मांसपेशियों में दर्द, झुनझुनाहट, यौन रोग तथा चलने में परेशानी
6. यदि आपको ये लक्षण महसूस होते हैं, तो इसे गंभीरता से लेना आवश्यक है।

जांच के तरीके

स्पाइन कैंसर का निदान करने के लिए सबसे पहले एक विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। इसके बाद, कई तरह की जांचें की जा सकती हैं, जैसे खून की जांच यह शरीर में कैंसर के संकेतों को पहचानने में मदद करती है। डत्–और ब्ब स्कैनरू ये इमेजिंग टेस्ट रीढ़ की हड्डी की संरचना की विस्तृत जानकारी देते हैं। स्पाइनल टैप्स यह जांच मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ की स्थिति को देखती है।

स्पाइन कैंसर से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किए जा सकते हैं

1. वजन को नियंत्रित रखें अधिक वजन कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है।
2. धूम्रपान और शराब से बचें ये दोनों कारक कई प्रकार के कैंसर का कारण बन सकते हैं।
3. नियमित व्यायाम शारीरिक गतिविधि से शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है और यह कैंसर के जोखिम को कम करती है।

स्पाइन कैंसर का समय पर निदान और उपचार महत्वपूर्ण है। यदि आपको पीठ में लगातार दर्द हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें। सही समय पर उपचार से रोग की गंभीरता को कम किया जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

सिंपल चोटी को स्टाइलिश बनाने के लिए ट्राई करें ये ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

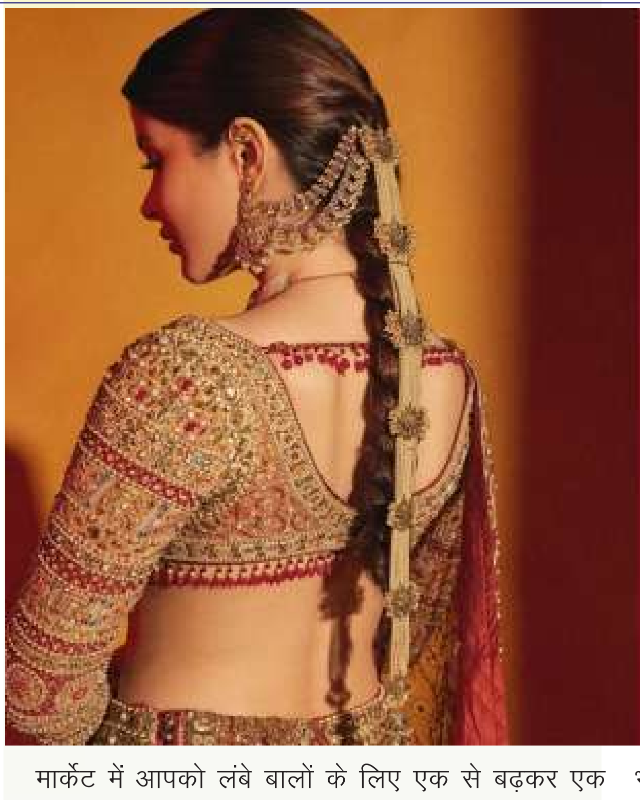

मार्केट में आपको लंबे बालों के लिए एक से बढ़कर एक एक्सेसरीज मिल जाएगी। ऐसे में आज हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

जिस तरह से महिलाएं अपने आउटफिट और लुक का ध्यान रखती हैं। ठीक उसी तरह से सुंदरता बढ़ाने के लिए मैचिंग ज्वेलरी पहनना नहीं भूलती हैं। वहीं बालों की सुंदरता भी बढ़ाने के लिए उसपर भी एक्सेसरीज लगाई जाती है। एक समय पर बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए गजरे का इस्तेमाल किया जाता था। फिर चाहे बाल लंबे हों या छोटे। लेकिन समय के साथ फैशन ट्रेंड में भी बदलाव आया है।

फैशन में हुए इस बदलाव के बाद अब महिलाएं अपने बालों में अलग–अलग तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाना पसंद करती हैं। वहीं जिन महिलाओं के बाल लंबे हैं, मार्केट में उनके लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज मिल जाती हैं। जिनको आप आसानी से बालों में लगा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज

आप लंबी चोटी के साथ पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज ट्राई कर सकती हैं, यह देखने में काफी अच्छी लगती है। लेकिन इस एक्सेसरीज का इस्तेमाल तब ही करें, जब आपकी ज्वेलरी में भी पर्ल का यूज किया गया हो।

कई महिलाओं व लड़कियों का हैवी एक्सेसरीज पहनने का मन होता है, तो आप मल्टी लेयरर्ड गोल्ड हेयर एक्सेसरीज चुन सकती हैं।

लंबी चोटी के साथ इस तरह की पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज काफी सही दिखेगी। इसका इस्तेमाल तब करें, जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी पर्ल का इस्तेमाल किया गया हो। जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी गोल्ड हो, तो आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आप जूड़ा बनाना चाहती हैं, तो आप इस एक्सेसरीज को ट्राई कर सकती हैं। यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। इसमें एक्सेसरीज का आकार चांद के जैसा है। शादी आदि के फंक्शन में यह एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगी।आप चाहें तो अलग–अलग एक्सेसरीज को अपनी चोटी में अटैच कर सकती हैं। इसको बटन हेयर एक्सेसरीज कहा जाता है। यह लंबे बालों को पर काफी ज्यादा अच्छी लगती है। इसलिए आपको इसे अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करना चाहिए।

आप अपने बालों में गोटा पट्टी और गोल्डन चेन को भी हेयर एक्सेसरीज के जैसे इस्तेमाल कर सकती हैं। यदि आपके लहंगे में गोल्डन रंग है, तो यह एक्सेसरीज आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

अगर आप किसी फंक्शन में चटक रंग का लहंगा पहन रही हैं, तो आप ऐसा परांदा भी अपनी चोटी में लगा सकती हैं। इसको चोटी पर क्रिस–क्रॉस की तरह बांधे। यह नीचे से जब लंबा होगा, तभी अच्छा लगेगा।

इस डिजाइन की पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती बढ़ाने का काम करेगी। आप चाहें तो इसमें अलग–अलग पैंडेंट को भी जोड़कर तैयार कर सकती हैं। पैंडेंट के अलावा ईयररिंग्स की मदद से भी आप ऐसी एक्सेसरीज तैयार करवा सकती हैं।

संक्षिप्त

अमेरिकी प्रतिबंधों से रिलायंस की रूसी तेल खरीद पर असर, सरकारी रिफाइनर फिलहाल सुरक्षित

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर लगाए गए नए प्रतिबंधों का असर भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (त्प्स्) की कच्चे तेल की खरीद पर पड़ सकता है। रिलायंस , जो रूस से भारत की कुल 1.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। इसे अब अपनी तेल खरीद रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि वह सीधे रूस की कंपनी रोजनेफ्ट से कच्चा तेल खरीदती है। वहीं, सरकारी तेल कंपनियों के लिए फिलहाल बड़ा झटका नहीं दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां (च्ैन्) अपने अधिकांश सौदे यूरोपीय ट्रेडर्स के माध्यम से करती हैं, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आते। इन कंपनियों ने बताया कि वे अनुपालन जोखिमों का आकलन कर रही हैं, लेकिन निकट भविष्य में रूसी तेल की आपूर्ति को पूरी तरह रोकने की संभावना कम है। रिलायंस ने दिसंबर 2024 में रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ एक सावधिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। इसके तहत वह 25 वर्षों तक प्रतिदिन 5,00,000 बैरल रूसी तेल आयात करेगी। यह बिचौलियों से भी तेल खरीदती है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने ओपन ज्वाइंट स्टॉक कंपनी रोसनेफ्ट ऑयल कंपनी (रोसनेफ्ट) और लुकोइल ओएओ (लुकोइल) पर और अधिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियां हैं जिन पर ट्रम्प प्रशासन ने यूक्रेन में क्रेमलिन की ष्युद्ध मशीनष् को वित्तपोषित करने में मदद करने का आरोप लगाया है। दोनों कंपनियां मिलकर प्रतिदिन 31 लाख बैरल तेल निर्यात करती हैं। रोजनेफ्ट अकेले वैश्विक तेल उत्पादन का 6 प्रतिशत और कुल रूसी तेल उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा निर्यात करती है। मास्को द्वारा 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है, जिसने पश्चिमी खरीदारों के हटने के बाद मिली भारी छूट का लाभ उठाया है।

विक्रम सोलर को सनश्योर एनर्जी से 148.9 मेगावाट का मिला ठेका

सौर समाधान प्रदाता विक्रम सोलर को सनश्योर एनर्जी से 148.9 मेगावाट उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल का ठेका मिला है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, 595 वॉट पावर वाले ये मॉड्यूल महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में लगाए जाएंगे। इस ठेके के तहत विक्रम सोलर सनश्योर को अपने उन्नत एम10आर एन–टाइप टॉपकॉन मॉड्यूल की आपूर्ति करेगा। विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ज्ञानेश चौधरी ने कहा, '' भारत के हाल ही में 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का आंकड़ा पार करना, हमारी स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में बनी गति का एक सशक्त अनुस्मारक है। हम अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों की ओर तेजी से और निर्णायक रूप से बढ़ रहे हैं। सनश्योर एनर्जी के साथ सहयोग इस प्रगति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'' सनश्योर एनर्जी के सह–संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी मनीष मेहता ने कहा, '' हमारे प्रमुख बाजारों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हमारी आगामी परियोजनाओं के लिए विक्रम सोलर के साथ साझेदारी, कुशल निष्पादन के साथ विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 700 अंक से अधिक उछला, निफ्टी 26,000 के स्तर पर पहुंचा

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बढ़ती उम्मीद के बीच बृहस्पतिवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 734.36 अंक चढ़कर 85,160.70 अंक पर और एनएसई निफ्टी 198.3 अंक की बढ़त के साथ 26,066.90 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ में रहे। हालांकि, इटर्नल और बजाज फिनसर्व के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहा जबकि जापान का निक्की 225, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 2.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.19 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 96.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। दिवाली बलिप्रतिपदा के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहे। मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत चढ़कर 84,426.34 अंक पर और निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ था।

रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे चढ़कर 87.80 प्रति डश्वलर पर

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.80 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने निवेशकों की धारणा को बढ़ावा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.80 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 87.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दिवाली और दिवाली बलिप्रतिपदा के कारण क्रमशः मंगलवार और बुधवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.04 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 734.36 अंक चढ़कर 85,160.70 अंक पर जबकि निफ्टी 198.3 अंक की बढ़त के साथ 26,066.90 अंक पर पहुंच गया।

कोहली ने दिए वनडे से संन्यास के संकेत ? पवेलियन लौटने पर दर्शकों का किया अभिवादन

एडिलेड। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कोहली अब तक दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने पर्थ में खेले गए पहले वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी, लेकिन वह शुरुआती दोनों मैच में विफल रहे। एडिलेड में जब कोहली आउट होकर पवेलियन लौटे तो उन्होंने दर्शकों का हाथ दिखाकर अभिवादन किया जिससे चर्चा का बाजार गर्म हो गया कि क्या कोहली ने वनडे से भी संन्यास के संकेत दे दिए हैं।

वनडे करियर में पहली बार लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। 2027 वनडे विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखने वाले कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। यह पहली बार है जब कोहली अपने वनडे करियर में लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं। कोहली का बल्ला एडिलेड में जमकर चलता है, लेकिन इस बार यहां भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके।

बार्टलेट ने कोहली को दिया चकमा

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पावरप्ले में ही दो विकेट गंवा दिए थे। जेवियर बार्टलेट ने अपने दूसरे ही ओवर में भारत को दोहरा झटका दिया। उन्होंने पहले कप्तान शुभमन गिल को मिचेल मार्श के हाथों कैच कराया और फिर कोहली को एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। बार्टलेट की अपील पर अंपायर ने कोहली को आउट दिया, लेकिन विराट डीआरएस लेना चाह रहे थे। हालांकि, दूसरे छोर पर खड़े रोहित ने उन्हें डीआरएस नहीं लेने की सलाह दी क्योंकि उन्हें पता था कि कोहली आउट हैं। विराट ने पूर्व कप्तान की बात मानी और पवेलियन की ओर लौट गए।

ड्रेसिंग लौटते वक्त विराट के इशारे ने खींचा ध्यान

कोहली के आउट होने से फैंस काफी निराश हुए, लेकिन ड्रेसिंग रूम लौटते वक्त जिस तरह उन्होंने हाथ हिलाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया इसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है जिसमें कोहली आउट होने के बाद पवेलियन लौटते वक्त हाथ उठाकर दर्शकों का अभिवादन कर रहे हैं। इसे लोग कोहली के संन्यास से जोड़कर देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या कोहली ने वनडे से भी संन्यास लेने के संकेत दे दिए हैं?

सिर्फ एक प्रारूप में खेलते हैं कोहली

कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि कोहली का लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलना है, लेकिन एडिलेड में जिस तरह आउट होने के बाद उन्होंने दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया उससे अटकलों का बाजार एक बार फिर गर्म हो गया है।

वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने रोहित, गांगुली को पीछे छोड़ा

एडिलेड। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। पहले मैच में फ्लॉप रहे रोहित ने दूसरे मैच में शानदार बल्लेबाजी की और अपने वनडे करियर का 59वां अर्धशतक लगाने में सफल रहे। रोहित की पारी की मदद से ही भारत ऑस्ट्रेलिया के सामने 265 रनों का लक्ष्य रखने में सफल रहा। रोहित इस दौरान वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए।

रोहित ने 10 साल में जड़ा सबसे धीमा अर्धशतक

रोहित ने इस मैच में जिम्मेदारी से बल्लेबाजी की और 74 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा करने में सफल रहे। रोहित आज लय में नजर आए और उन्होंने चिर परिचित अंदाज में शॉट खेले। रोहित ने हालांकि, 10 साल में अपने वनडे का सबसे धीमा अर्धशतक लगाया। इस मैच में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन रोहित ने बनाए जो 73 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने 61 रनों की पारी खेली। रोहित और श्रेयस के बीच तीसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी हुई। भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों के बाद हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह की साझेदारी से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए।

रोहित ने हासिल की उपलब्धि

रोहित ने इस शानदार पारी के दम पर ही उपलब्धि हासिल कर ली। वह भारत के लिए वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। गांगुली ने भारत के लिए वनडे में 11221 रन बनाए हैं, जबकि रोहित अब तक 11249 रन बना चुके हैं। रोहित से आगे इस मामले में विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर हैं। कोहली ने फिलहाल 14181 रन और सचिन ने 18426 रन बनाए हैं।

कोहली के साथ 100वीं बार की साथ में बल्लेबाजी

रोहित और कोहली की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में साथ बल्लेबाजी करने के साथ ही बड़ा मुकाम हासिल किया। दोनों बल्लेबाज वनडे में 100वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरे। इन दोनों ने वनडे में अबतक 100 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5315 रन बनाए हैं। इस दौरान दोनों के बीच 18 बार शतकीय और 17 बार 50+ रनों की साझेदारी हुई है।

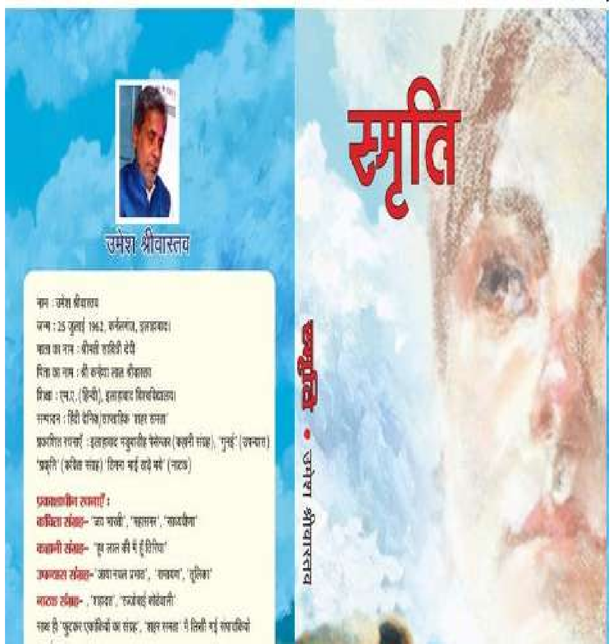

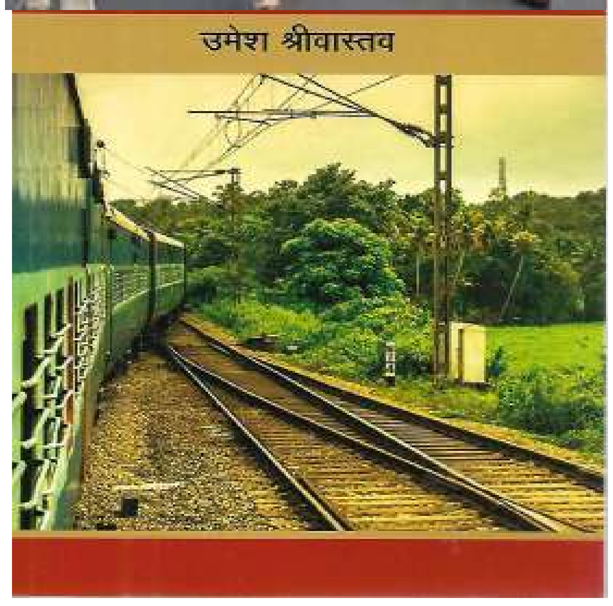

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

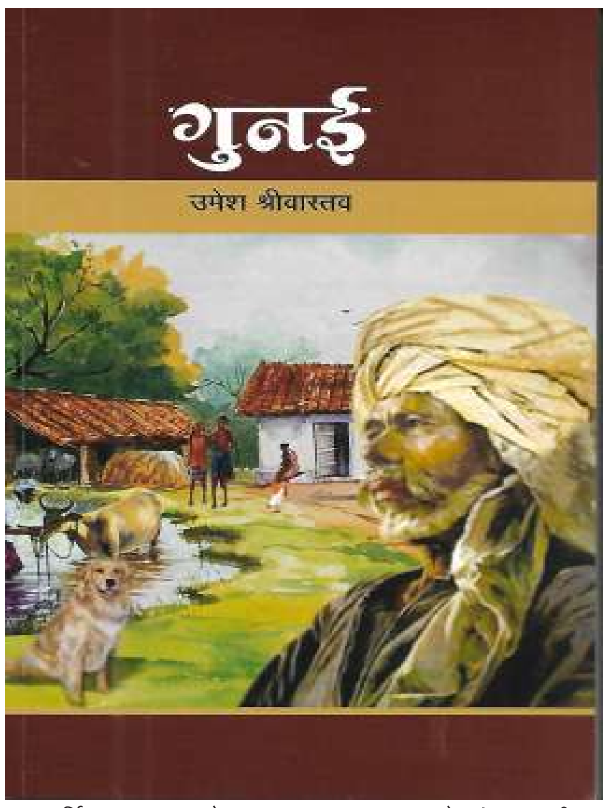

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

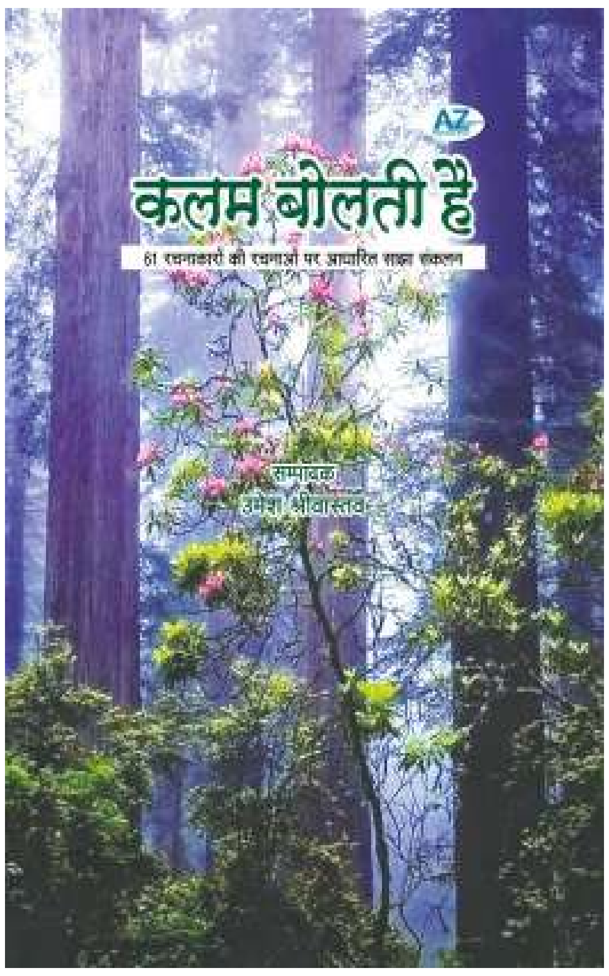

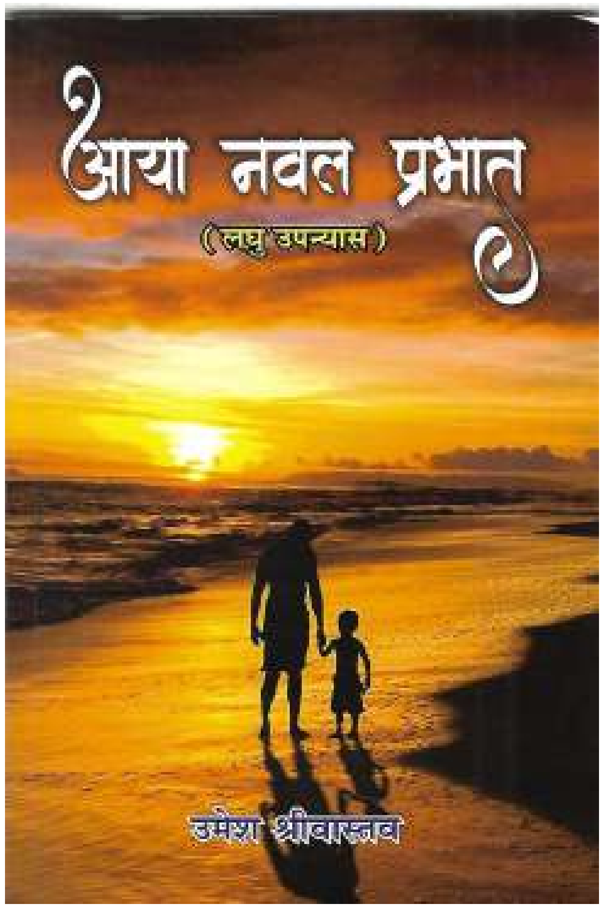

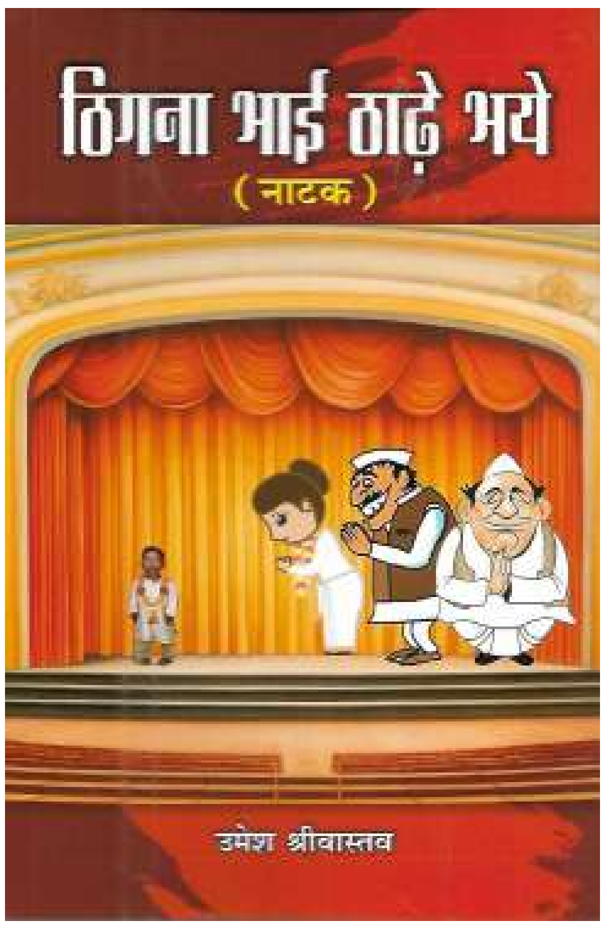

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बाइडेन का प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए रेडिएशन थेरेपी का एक चरण पूरा हुआ

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का, प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के तहत रेडिएशन थेरेपी का एक चरण पूरा हो गया है। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने सोमवार को दी। बाइडेन के सहयोगी केली स्कली ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति का इलाज फिलाडेल्फिया स्थित पेन मेडिसिन रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेंटर में किया गया। इस वर्ष जनवरी में 82 वर्षीय डेमोक्रेटिक नेता ने पद छोड़ा था। इससे छह महीने पहले उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ खराब बहस सत्र के बाद पुनः

चुनाव लड़ने की घोषणा वापस ले ली थी। उम्र, स्वास्थ्य और मानसिक क्षमता को लेकर उठी चिंताओं के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और तत्कालीन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया था। बाइडेन के कार्यालय ने मई में बताया था कि उन्हें प्रोस्टेट कैंसर है, जो हड्डियों तक फैल गया है। यह बीमारी तब सामने आई जब उन्होंने मूत्र संबंधी लक्षणों की शिकायत की थी। प्रोस्टेट कैंसर की तीव्रता को 'ग्लीसन स्कोर' से आंका जाता है, जो छह से दस के बीच होता है। आठ, नौ और दस का स्कोर सबसे अधिक आक्रामक रूप को दर्शाता है। बाइडेन के कार्यालय ने बताया कि उनका स्कोर नौ है, जो बीमारी की गंभीर अवस्था को इंगित करता है। पिछले महीने बाइडेन के मस्तक से त्वचा कैंसर के घाव हटाने की सर्जरी भी की गई थी।

ब्रिटेन में सहपाठी की चाकू मारकर हत्या करने के जुर्म में पाकिस्तानी मूल के किशोर को आजीवन कारावास

उत्तरी इंग्लैंड के शेफील्ड स्थित स्कूल में 15 वर्षीय छात्र की चाकू से हत्या करने के जुर्म में ब्रिटेन में जन्मे और पाकिस्तानी मूल के एक स्कूली छात्र को बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। पहचान उजागर करने पर स्वतः लागू प्रतिबंध न्यायमूर्ति नाओमी एलेनबोगेन द्वारा हटाए जाने के बाद 15 वर्षीय मोहम्मद उमर खान का नाम साउथ यॉर्कशायर पुलिस ने सार्वजनिक किया। 'शेफील्ड क्राउन अदालत' में सजा पर सुनवाई के दौरान, न्यायाधीश ने फैसला सुनाया

कि खान की पैरोल पर विचार करने से पहले उसे कम से कम 16 साल जेल में बिताने होंगे। साउथ यॉर्कशायर पुलिस के वरिष्ठ जांच अधिकारी, डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर (डीसीआई) एंडी नोल्स ने कहा, ''इस मुकदमे के दौरान एक अहम बात सामने आई जिसके मुताबिक खान को यह गलत विश्वास था कि चाकू रखने से वह सुरक्षित रहेगा या इससे उसका दर्जा बढ़ जाएगा।'' अदालत को बताया गया कि चाकूबाजी की खबर के बाद तीन फरवरी की दोपहर शेफील्ड के ऑल सेंट्स कैथोलिक हाई स्कूल में पुलिस को बुलाया गया था। इस साल की शुरुआत में छह हफ्ते चले मुकदमे में पाया गया कि हार्वे विलगूज को चाकू मारा गया था और घटनास्थल पर ही खान को गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत को पता चला कि कैसे एक हफ्ते पहले स्कूल में हुए एक झगड़े को लेकर दोनों लड़कों में झगड़ा हो गया था। खान ने हत्या से इनकार किया, लेकिन अगस्त में अदालत ने उसे दोषी पाया।

अमेरिका ने प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ ले जा रही नौका पर हमला किया, दो लोगों की मौत

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर के जलक्षेत्र में कथित तौर पर मादक पदार्थ ले जा रही एक नौका पर आठवां हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। हेगसेथ ने कहा कि यह दक्षिण अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के अभियान का हिस्सा है। मंगलवार रात हुआ यह हमला इससे पहले हुए सात हमलों से अलग था, जो कैरिबियाई सागर में किए गए थे। हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस ताजा हमले में दो लोगों की मौत हुई। पिछले महीने शुरू हुए इन हमलों में अब तक कम से कम 34 लोग मारे जा चुके हैं। हेगसेथ ने कहा कि यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की तरह है। उन्होंने कहा, ''जैसे अल–कायदा ने हमारे देश के खिलाफ युद्ध छेड़ा था, वैसे ही ये मादक पदार्थ तस्करी के गिरोह हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। इन्हें न शरण मिलेगी, न माफी– केवल सजा मिलेगी।''राष्ट्रपति ट्रंप ने इन हमलों को उचित ठहराते हुए कहा कि अमेरिका मादक पदार्थ गिरोहों के साथ एक ''सशस्त्र संघर्ष'' में है और इन्हें गैर–कानूनी लड़ाके घोषित कर रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

अमेरिकी प्रतिबंधों के आगे झुका भारत ? रूस से तेल खरीद में होगी भारी कटौती !

उद्योग सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि भारतीय रिफाइनरियाँ दो शीर्ष रूसी उत्पादकों पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करने के लिए रूसी तेल के आयात में भारी कटौती करने के लिए तैयार हैं, जिससे संभवतः संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की एक बड़ी बाधा दूर हो जाएगी। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब भारत को अमेरिका को अपने निर्यात पर 50: टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है – जिसमें से आधे शुल्क रूसी तेल खरीद के प्रतिशोध में होंगे – और वह एक संभावित व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है जो मॉस्को से कच्चे तेल के आयात को कम करने के बदले में उन टैरिफ को एशियाई समकक्षों के अनुरूप ला सकता है।

प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत रूस से तेल खरीद में भारी कटौती कर सकता है?

रॉयटर्स की गुरुवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और यूरोप द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद, भारत अपने सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता रूस से कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती कर सकता है। दो रिफाइनिंग सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि रूसी तेल की देश की सबसे बड़ी निजी खरीदार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मास्को से अपने कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती या पूरी तरह से रोक लगाने की योजना बना रही है। सरकारी रिफाइनरियाँ भी नए प्रतिबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपनी खरीद योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं। यह निर्णय यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा रोसनेफ्ट और लुकोइल सहित प्रमुख रूसी ऊर्जा कंपनियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के बाद आया है। ब्रिटेन ने भी पिछले सप्ताह दोनों कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए थे, जबकि यूरोपीय संघ ने प्रतिबंधों के 19वें दौर को मंजूरी दी थी जिसमें रूसी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर प्रतिबंध भी शामिल है।

भारत द्वारा खरीदारी की समीक्षा के बाद तेल की कीमतों में उछाल

भारत द्वारा रूस से तेल आयात की समीक्षा करने की योजना पर व्यापारियों की प्रतिक्रिया के बाद गुरुवार को तेल की कीमतों में लगभग 3: की वृद्धि हुई। ब्रेंट क्रूड वायदा 0428 ळठच् तक 1.94 डॉलर या 3.1: बढ़कर 64.53 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (ॅज्) क्रूड 1.89 डॉलर या 3.2: बढ़कर 60.39 डॉलर प्रति बैरल हो गया। विश्लेषकों ने कहा कि यह उछाल इस आशंका के कारण था कि कड़े प्रतिबंध और रूसी निर्यात में गिरावट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर सकती है। रॉयटर्स के अनुसार, फिलिप नोवा की वरिष्ठ बाजार विश्लेषक प्रियंका सचदेवा ने कहा, ष्रूस के सबसे बड़े तेल घरानों पर राष्ट्रपति ट्रंप के नए प्रतिबंधों का सीधा उद्देश्य क्रेमलिन के युद्ध राजस्व को रोकना है – यह एक ऐसा कदम है जो रूसी बैरल के भौतिक प्रवाह को कम कर सकता है और खरीदारों को खुले बाजार में अपनी मात्रा को पुनर्निर्देशित करने के लिए मजबूर कर सकता है।ष् उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत अमेरिकी दबाव में रूस से तेल की ख़रीद में कटौती करता है, तो ष्हम एशियाई माँग को अमेरिकी कच्चे तेल की ओर बढ़ते हुए देख सकते हैं, जिससे अटलांटिक महासागर में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

भारतीय रिफ़ाइनर आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं

रॉयटर्स के अनुसार, भारत के सरकारी स्वामित्व वाले रिफ़ाइनरों ने अपनी आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका कोई भी कच्चा तेल सीधे रूसी तेल दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट या लुकोइल से न आए। निजी स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज़, जो 2022 से रूसी तेल के सबसे बड़े आयातकों में से एक रही है, कथित तौर पर भारत सरकार की नीतिगत दिशा के अनुरूप अपने ख़रीद पैटर्न को समायोजित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि पश्चिमी प्रतिबंधों की बढ़ती सूची के कारण रिलायंस आयात में स्वेच्छा से कटौती करने का इरादा रखती है। पश्चिमी खरीदारों द्वारा ख़रीद में कटौती करने के बाद पिछले दो वर्षों में भारत का रूसी कच्चे तेल का कुल आयात बढ़ गया था, जिससे भारतीय रिफ़ाइनरों को सस्ता तेल मिल रहा। हालाँकि, कड़े प्रतिबंधों और अमेरिका के बढ़ते दबाव के कारण, भारतीय रिफाइनर अब मध्य पूर्व और अफ्रीका के वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर सकते हैं।

बाजार का रुख अनिश्चित बना हुआ है

तेल की कीमतों में तत्काल वृद्धि के बावजूद, कुछ बाजार विशेषज्ञ वैश्विक आपूर्ति और माँग पर इन प्रतिबंधों के दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर सतर्क हैं। रॉयटर्स के अनुसार, रिस्टैड एनर्जी के वैश्विक बाजार विश्लेषण निदेशक क्लाउडियो गैलिम्बर्टी ने कहा, नए प्रतिबंध निश्चित रूप से अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ा रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि तेल की कीमतों में उछाल किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय एक अचानक हुई प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि पिछले प्रतिबंधों से रूस के तेल उत्पादन या राजस्व में कोई खास कमी नहीं आई है। गैलिम्बर्टी ने कहा, पिछले साढ़े तीन वर्षों में रूस पर लगे लगभग सभी प्रतिबंध देश द्वारा उत्पादित तेल की मात्रा या तेल राजस्व पर कोई खास असर नहीं डाल पाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ भारतीय और चीनी खरीदार प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल खरीदना जारी रख सकते हैं।

अमेरिकी सेना में सिखों के लिए दाढ़ी की नीति पर पुनर्विचार की अपील

सांसद ने युद्ध मंत्री को लिखा पत्र

वॉशिंगटन। एक अमेरिकी सांसद ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ को पत्र लिखा है, जिसमें अमेरिकी सेना में सैनिकों के लिए जारी की गई दाढ़ी संबंधी नीति पर पुनर्विचार की अपील की गई है। दरअसल नई नीति से अमेरिकी सेना में कार्यरत सिख सैनिक चिंतित हैं। नई नीति के तहत सभी अमेरिकी सैनिकों को दाढ़ी कटाना अनिवार्य कर दिया गया है। अमेरिकी सांसद थॉमस सुओजी ने पीट हेगसेथ को लिखे पत्र में सिख समुदाय की चिंताओं को उजागर करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सिख धर्म में बिना कटे बाल और दाढ़ी रखना, उनके धर्म का मूल सिद्धांत है।

अमेरिकी सांसद ने पत्र में क्या लिखा

युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ को लिखे एक पत्र में सांसद थॉमस सुओजी ने इस बात पर जोर दिया कि सिख पीढ़ियों से अमेरिकी सैनिकों के साथ लड़ते आ रहे हैं, जिनमें प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध दोनों शामिल हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि ने कहा, श्सिखों के लिए, अपने देश की सेवा करना एक पवित्र कर्तव्य है, यह संत–सिपाही (संत–सैनिक) के आदर्श का प्रतीक है जो आस्था और सेवा का मिश्रण है। सिख धर्म में अनुयायियों से ईश्वर के प्रति भक्ति और समानता के प्रतीक के रूप में बाल और दाढ़ी नहीं काटने की अपेक्षा की जाती है।

नए निर्देशों से सिख, मुस्लिम सैनिक परेशान

सुओजी ने सैन्य पेशेवरता और अनुशासन के महत्व को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर भी जोर दिया कि धर्म–आधारित या चिकित्सा संबंधी सुविधाओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके कुछ सिख, मुस्लिम और अफ्रीकी अमेरिकी सैनिकों को डर है कि अगर धार्मिक, सांस्कृतिक या चिकित्सिय छूट के बिना दाढ़ी प्रतिबंध लागू किया जाता है, तो अनजाने में उन्हें अपने देश की सेवा करने से रोका जा सकता है। पिछले महीने अमेरिकी जनरल और फ्लैग ऑफिसर्स को संबोधित करते हुए युद्ध मंत्री हेगसेथ ने कहा था, श्हम अपने बाल कटवाएंगे, दाढ़ी मुंडवाएंगे और मानकों का पालन करेंगे... गैर–पेशेवर दिखावे का युग समाप्त हो गया है।

कैलिफ़ोर्निया हादसाः अवैध भारतीय ड्राइवर ने ली 3 जानें, अमेरिकी आव्रजन और लाइसेंस प्रणाली पर उठे सवाल

21 वर्षीय भारतीय नागरिक, जशनप्रीत सिंह को दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया में एक भीषण दुर्घटना के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वह नशे में 18 पहियों वाला ट्रक चला रहा था। आरोपी की पहचान जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सिंह का ट्रक सैन बर्नार्डिनो काउंटी में इंटरस्टेट 10 पर धीमी गति से चल रहे यातायात में घुस गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। डैशकैम फुटेज से पता चला है कि टक्कर से पहले ट्रक ने ब्रेक नहीं लगाए थे, जबकि टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि दुर्घटना के समय सिंह किसी पदार्थ के

नशे में थे। होमलैंड सुरक्षा विभाग के अनुसार, सिंह एक वैध अप्रवासी नहीं था और ष्ब् ने उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ एक बंदी बना लिया है। उस पर नशे में वाहन चलाते हुए गंभीर हत्या सहित कई आरोप हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सिंह ने 2022 में दक्षिणी सीमा के माध्यम से अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था और आव्रजन सुनवाई की प्रतीक्षा करते हुए उन्हें बिडेन प्रशासन की "हिरासत के विकल्प" नीति के तहत रिहा कर दिया गया था। फॉक्स न्यूज़ के अनुसार, संघीय कानून प्रवर्तन सूत्रों ने पुष्टि की है कि सिंह मार्च 2022 में कैलिफ़ोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने सामना किया था और आव्रजन सुनवाई लंबित रहने तक उन्हें देश के अंदरूनी हिस्सों में छोड़ दिया गया था। सीबीएस न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना में आठ वाहन शामिल थे – जिनमें चार वाणिज्यिक ट्रक शामिल थे – और इसके परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई और चार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैसे–जैसे मामला आगे बढ़ रहा है, सिंह बिना ज़मानत के सैन बर्नार्डिनो काउंटी में हिरासत में हैं, और उनकी अगली अदालती पेशी गुरुवार को रैंचो कुकामोंगा स्थित रैंचो सुपीरियर कोर्ट में होगी। कैलिफ़ोर्निया हाईवे पेट्रोल (सीएचपी) के अधिकारियों ने सीबीएस को बताया कि इस बात की जाँच जारी है कि दुर्घटना के समय सिंह के पास वैध वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस था या नहीं।

वाणिज्यिक चालकों की पृष्ठभूमि जाँच को मज़बूत करने के लिए वीज़ा समीक्षा

अगस्त में, अमेरिकी सरकार ने वाणिज्यिक ट्रक चालकों के लिए श्रमिक वीज़ा जारी करना अस्थायी रूप से रोक दिया था। सीबीएस न्यूज़ के अनुसार, विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह निर्णय अमेरिकी वीज़ा के लिए आवेदकों की योग्यता का आकलन करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जाँच और जाँच प्रक्रियाओं की व्यापक और गहन समीक्षा के लिए लिया गया था। सीबीएस ने विदेश विभाग के प्रवक्ता के हवाले से कहा, ष्जैसा कि हमने हाल ही में हुई घातक दुर्घटनाओं में देखा है, विदेशी ट्रक चालक अमेरिकी जीवन, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। अगस्त में, भारत से आए एक अनिर्दिष्ट अप्रवासी, हरजिंदर सिंह ने सेंट लूसी काउंटी में फ्लोरिडा टर्नपाइक पर अवैध रूप से यू–टर्न लेने का प्रयास किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी मार्शलों के अनुसार, सिंह ने देश में अवैध रूप से रहने के बावजूद, कैलिफ़ोर्निया से वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) प्राप्त किया था। फ्लोरिडा ने कैलिफ़ोर्निया और वाशिंगटन के खिलाफ एक घातक दुर्घटना को लेकर मुकदमा दायर करके कानूनी कार्रवाई की है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि कैलिफ़ोर्निया और वाशिंगटन ने वाणिज्यिक चालक लाइसेंस जारी करने में संघीय सुरक्षा और आव्रजन–स्थिति आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं किया है।

गाजा में युद्धविराम की स्थिति उम्मीद से बेहतर है : वेंस ने इजराइल की यात्रा के दौरान कहा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य दूतों ने मंगलवार को गाजा में नाजुक युद्धविराम समझौते पर आशावादी रुख व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति उम्मीद से बेहतर है। वेंस ने इजराइल में नागरिक और सैन्य सहयोग के लिए बने नए केंद्र का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने स्वीकार किया कि हाल में हिंसा की कुछ घटनाएं हुई हैं लेकिन दो साल तक चले इजराइल–हमास युद्ध के बाद 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम को लेकर ''उम्मीद से बेहतर'' प्रगति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा, ''हम वहां तक पहुंच चुके हैं, जहां तक अब तक पहुंचने की हमने कल्पना नहीं की थी।'' वे युद्धविराम के बीच शांति के लिए दीर्घकालिक योजना पर प्रश्न उठने के बाद इजराइल की यात्रा कर रहे हैं। युद्धविराम समझौते के बीच ये प्रश्न बने हुए हैं कि क्या हमास निरस्त्रीकरण करेगा, गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल कब और कैसे तैनात किया जाएगा तथा युद्ध के बाद इस क्षेत्र पर कौन शासन करेगा। वेंस ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यह शांति लंबे समय तक कायम रहेगी, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर हमास सहयोग नहीं करता, तो उसे ''मिटा दिया जाएगा''। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने युद्धविराम की जटिलता पर कहा, ''दोनों पक्ष दो साल की भीषण लड़ाई से अब शांति की स्थिति में आने की कोशिश कर रहे हैं।'' वेंस के बृहस्पतिवार तक इस क्षेत्र में रहने तथा इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य अधिकारियों से मुलाकात करने की उम्मीद है। इस बीच, नेतन्याहू ने मंगलवार को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार त्ज़ाची हनेगबी को बर्खास्त कर दिया। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, हनेगबी ने मार्च में गाजा में इजराइल का सैन्य अभियान फिर से शुरू करने का विरोध किया था।

बलूचिस्तान में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों में अलग–अलग घटनाओं में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी मारे गए। नोश्की में गश्त के दौरान अज्ञात हमलावरों ने दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में, केच इलाके में एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने चगाई और सिबी जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए अभियान में 11 आतंकियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सैनिकों ने चगाई के दलबंदिन में एक पहाड़ी इलाके की घेराबंदी कर दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।